MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 04 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-272

दुनिया के हीरो

इजरायली स्वतंत्रता दिवस पर मच्छार-मोदी को न्योता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।
फ्लाईदुबई विमान के भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार के साहस की चर्चा दुनियाभर में हो रही है। अब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को सम्मानित करने के लिए उन्हें इजराइल आने का न्योता दिया है। नेतन्याहू ने फोन पर कैप्टन मछार से कहा है कि आप इजरायल, भारत और पूरी दुनिया के लिए हीरो हैं।

नेतन्याहू ने कहा कि वह कैप्टन स्मित मच्छार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अगले वर्ष इस्राइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं।

इजराइल के स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय समारोह में मशाल जलाना एक विशेष सम्मान माना जाता है और आमतौर पर इसके लिए इजराइली नागरिकों का चयन किया जाता है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को इस सम्मान के लिए आमंत्रित करने की घोषणा की है। हालांकि, मशाल जलाने वालों का अंतिम चयन निर्धारित आधिकारिक प्रक्रिया के तहत होता है।

अस्पताल में स्मित से फोन पर बात की नेतन्याहू ने

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अस्पताल में इलाज करा रहे कैप्टन स्मित मच्छार से फोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान स्मित ने हमले से पहले की स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमले से पहले सह-पायलट ने प्रार्थना करने की बात कही थी। सम्मान के तौर पर उन्होंने अपना चेहरा दूसरी ओर कर लिया।

स्मित ने बताया कि करीब चार-पांच मिनट बाद उनके सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार प्रहार हुआ। इसके बाद लगातार हमले होते रहे। उन्हें पहले लगा कि विमान में कोई गंभीर तकनीकी समस्या हुई है, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि कॉकपिट में मौजूद सह-पायलट ही उन पर हमला कर रहा है।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से कहा कि उनका साहस और विपरीत परिस्थितियों में शांत रहने की क्षमता अद्भुत है। उन्होंने कहा कि स्मित ने कई लोगों की जान बचाई और मानवता की भावना को बचाया। नेतन्याहू ने कहा कि सच कहूं तो आपकी हिम्मत और मुश्किल हालात में शांत रहकर सभी फैसला लेने की आपकी काबिलियत देखकर हैरान हूं. आपने बहुत से लोगों की जान बचाई है। मेरी और मेरी पत्नी की तरफ से अपनी पत्नी को शुभकामनाएं दीजिएगा। प्लीज जल्द ठीक हो जाइए।

फ्लाईदुबई हमला आतंकी कृत्य : यूएई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन पर हुए हमले को आतंकी हमला बताया है। यूएई के अटॉर्नी जनरल के बयान के मुताबिक, ओमान के नागरिक सह-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मछार पर विमान के कॉकपिट में मौजूद आपातकालीन कुल्हाड़ी (क्रैश एक्स) से हमला किया और इसके बाद विमान पर नियंत्रण करने की कोशिश की।

घटना के समय विमान में 174 यात्री सवार थे। हमले के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने हस्तक्षेप कर सह-पायलट को काबू में किया। इस बीच यूएई के वरिष्ठ राजनयिक सलाहकार अनवर गर्गाश ने भी एक्स पर पोस्ट कर इस घटना को खतरनाक आतंकी कृत्य बताया। उन्होंने भारतीय पायलट स्मित मछार की तारीफ करते हुए लिखा कि फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट ने संभावित आपदा के सामने साहस और जिम्मेदारी का परिचय दिया। उन्होंने पायलट के पेशेवर रवैये की प्रशंसा करते हुए उन्हें सच्चा हीरो बताया।

सऊदी अरब के सरकारी मीडिया आउटलेट अल-अरबिया ने सह-पायलट की पहचान ओमान के नागरिक हमाम अल-हम्मामी के रूप में की है। जांच से परिचित तीन अन्य लोगों ने भी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से उसकी पहचान की पुष्टि की है।

▶8 पर

मौत का सफर!

अंतिम संस्कार में जा रही बस पलटी, चार की मौत

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख, घायलों को 1-1 लाख आर्थिक सहायता का ऐलान

विकाराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विकाराबाद जिले के प्रसिद्ध अनंतगिरी घाट मार्ग पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जा रही यात्रियों से भरी एक निजी ट्रैवल्स बस घाट रोड के एक खतरनाक मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई, जबकि बड़ी संख्या में यात्री घायल हुए हैं। विकाराबाद पुलिस ने चार मौतों की पुष्टि की है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संगारेड्डी जिले के पाटनचेरु मंडल के इस्नापुर और क्यासारम गांवों से करीब 51 लोग निजी बस से विकाराबाद जिले के धारूर मंडल स्थित चिंतकुंटा गांव जा रहे थे। सभी लोग चिंतकुंटा निवासी 50 वर्षीय कोठागड़ी नारायण रेड्डी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निकले थे। नारायण रेड्डी का निधन एक दिन पहले हुआ था।

बताया गया है कि बस अनंतगिरी हिल्स के डाउन रोड से नीचे उतर रही थी। इसी दौरान केरैली गांव के बाहरी क्षेत्र के पास एक तीखे मोड़ पर बस चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया। बस सड़क के दाहिनी ओर पलट गई।

प्रारंभिक जांच में तेज गति और घाट का तीखा मोड़ दुर्घटना के संभावित कारण माने जा रहे हैं। हालांकि पुलिस अभी दुर्घटना की परिस्थितियों की विस्तृत जांच कर रही है। इसलिए हादसे का अंतिम कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

बस के पलटते ही यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। कई यात्री बस के भीतर फंस गए और कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा बचाव दल के पहुंचने से पहले ही यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की।

इसके बाद पुलिस, एंबुलेंस और चिकित्सा दल घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को तत्काल विकाराबाद सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार बचाव कार्य में स्थानीय लोगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हादसे में चार महिलाओं की मौत की पुष्टि हुई है। उपलब्ध ताजा जानकारी के अनुसार मृतकों में शंकरपल्ली क्षेत्र की राजेंद्र प्रमेला तथा क्यासारम की अटेली यादम्मा, माला पदम्मा और अटेली पदम्मा शामिल हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की गई।

अस्पताल से मिली नवीनतम स्थिति के अनुसार हादसे के बाद 43 लोगों को विकाराबाद के सरकारी जनरल अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया। इनमें से 25 घायलों को बेहतर एवं विशेषज्ञ उपचार के लिए अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया। बाकी 18 लोगों में 10 को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया, जबकि आठ लोगों को उनके परिजनों के अनुरोध पर अस्पताल से छुट्टी दी गई। ▶8 पर

शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर हो रहा विचार : भारत

समयसीमा बताना संभव नहीं

कोलकाता, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।
शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर भारत ने कहा है कि उनकी बांग्लादेश वापसी के लिए फिलहाल कोई समयसीमा तय नहीं की जा सकती। बांग्लादेश की ओर से भेजे गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर कानूनी प्रक्रिया के तहत विचार किया जा रहा है। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने शनिवार को कहा कि यह मामला तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ रहा है और अभी यह बताना संभव नहीं है कि हसीना को कब बांग्लादेश वापस भेजा जाएगा।

त्रिवेदी ने यह भी कहा कि अगस्त 2024 में जब शेख हसीना ढाका से भारत आई थीं, तब भारत के पास उन्हें देश में आने की अनुमति देने के अलावा बहुत कम विकल्प था। उस समय हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं और बड़े सरकार विरोधी आंदोलन के बीच उनकी सरकार गिर गई थी।

ढाका में एक निजी विचार मंच की ओर से आयोजित चर्चा में त्रिवेदी से हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर बांग्लादेश की बार-बार की जा रही मांगों पर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हसीना की वापसी की समयसीमा कोई नहीं बता सकता। उन्होंने कहा कि भारत सरकार पहले भी स्पष्ट कर चुकी है कि बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर एक प्रक्रिया के तहत विचार किया जा रहा है। यह प्रक्रिया कानूनी और तय नियमों के अनुसार है।

त्रिवेदी ने यह भी कहा कि हसीना को भारतीय वायुसेना या सेना भारत लेकर नहीं आई थी। उनके मुताबिक, 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश वायुसेना के एक विमान से हसीना भारत आई थीं। उस समय प्रदर्शनकारी उनके सरकारी आवास की ओर बढ़ रहे थे।

त्रिवेदी ने कहा कि उस समय हसीना अभी भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने कहा कि भारत के पास उन्हें स्वीकार करने के अलावा ज्यादा विकल्प नहीं था। एक पड़ोसी देश होने के नाते भारत को उस समय की स्थिति को स्वीकार करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति क्या होती, यह कहना मुश्किल है। ▶8 पर

अलविदा सियासत!

अकबरुद्दीन ओवैसी की दो टूक-अगला चुनाव लड़ूंगा या नहीं, पता नहीं

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 03 अक्टूबर ।
एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। छात्रों के साथ एक कार्यक्रम में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें खुद नहीं पता कि वह अगला चुनाव लड़ेंगे या नहीं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी उम्र का हवाला देते हुए यह भी कहा कि फिलहाल चुनाव लड़ने का उनका कोई विचार नहीं है। अकबरुद्दीन ओवैसी के शब्दों में- मैं बूढ़ा हो गया हूं अगले चुनाव में चुनाव लड़ूंगा या नहीं, पता नहीं। चुनाव लड़ने का विचार भी नहीं है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। अकबरुद्दीन के बयान ने सीधे तौर पर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वह आने वाले चुनाव में भी विधानसभा की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे या चुनावी मैदान से किनारा करेंगे। हालांकि, उन्होंने अभी चुनाव नहीं लड़ने की कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है।

राजनीतिक सफर पर भी खुलकर बोले

कार्यक्रम में अकबरुद्दीन ने अपने राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की, लेकिन राजनीति में वह ऐसे मुकाम तक पहुंचे जहां मुख्यमंत्री को उनके उठाए गए मुद्दों का जवाब देना पड़ता है। उनका यह बयान उनके राजनीतिक प्रभाव को लेकर उनके स्वयं के आकलन को भी सामने रखता है।

भाई सक्रिय, अकबर के बयान ने बढ़ाई चर्चा

अकबरुद्दीन ओवैसी के बड़े भाई और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सक्रिय राजनीति में लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में छोटे भाई अकबरुद्दीन का उम्र का हवाला देकर अगले चुनाव से दूरी का संकेत देना ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^{0}
न्यूनतम : 21^{0}

भारत-पाक में राजनयिक तनाव

सीमा पर दो लोगों की मौत को लेकर पाक ने जताया विरोध

इस्लामाबाद, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।
पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो लोगों की मौत को लेकर दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय राजनयिक को तलब कर दो लोगों की मौत पर विरोध जताया। पाकिस्तान का दावा है कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गोलीबारी में मारे गए।

इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी राजनयिक को तलब कर पाकिस्तान से लगातार हो रही सीमा पार घुसपैठ पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया है।

भारतीय अधिकारियों के मुताबिक, तीन लोग पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे। सीमा सुरक्षा बल ने उन्हें कई बार वापस लौटने की चेतावनी दी, लेकिन वे पीछे हटने के बजाय भारतीय सीमा की ओर बढ़ते रहे। इसके बाद बीएसएफ ने गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीसरा व्यक्ति वापस पाकिस्तान की ओर चला गया।

भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि घटना सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ से जुड़ी है। मंत्रालय ने पाकिस्तान से अंतरराष्ट्रीय सीमा की पवित्रता का सम्मान करने और अपनी ओर से अनधिकृत आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मारे गए दोनों लोग निहत्थे नागरिक थे। पाकिस्तान के अनुसार, वे सीमा के पास गए थे और अनजाने में ▶8 पर

फरहाना भट्ट को देखने भीड़ बेकाबू
धक्का-मुक्की पर प्रबंधन ने जताई चिंता

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
खतरों के खिलाड़ी-15 के फिनाले से पहले शुक्रवार रात (2 अक्टूबर) अभिनेत्री फरहाना भट्ट हैदराबाद पहुंचीं। ङ्गशीग्लैम एक्सपो सीजन-3फ में पहुंचने के दौरान प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। इस घटना के बाद फरहाना की प्रतिभा प्रबंधन टीम यंग फिल्मिस्तान ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में किसी को असहज या असुरक्षित महसूस करते देखना चिंताजनक है।

प्रबंधन टीम ने कहा कि वह प्रशंसकों के उत्साह को समझती है, लेकिन सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। बाद में फरहाना ने भी अपनी सामाजिक माध्यमों की प्रोफाइल पर टीम का यह बयान साझा किया।

बयान की शुरुआत में ङ्गयंग फिल्मिस्तानफ ने फरहाना के प्रति प्रशंसकों के प्यार और उत्साह के लिए उनका आभार जताया। इसके बाद टीम ने कार्यक्रम स्थल पर अत्यधिक भीड़ और लोगों को हुई परेशानी का जिक्र किया।

टीम ने कहा, कार्यक्रम स्थल पर बहुत ज्यादा भीड़ हो गई और स्थिति को संभालना मुश्किल हो गया। इसकी वजह से भीड़ के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं। फरहाना की प्रतिभा प्रबंधन टीम ने भविष्य में सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने की अपील ▶8 पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फ्लाईदुबई हमले का खुलासा : को-पायलट के पास मिला था जिहादी सामान

दुबई

दुबई से इजरायल के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाईदुबई की फ्लाइट संख्या एफजेड1073 में पायलट स्मित मच्छार पर हमला करने वाले ओमानी को-पायलट को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी को-पायलट पहले भी विवादों में रह चुका था और उसके पास से कट्टरपंथी एवं जिहादी सामग्री बरामद हुई थी। यह घटना बुधवार को हुई थी, जब को-पायलट ने काकपिट में पायलट स्मित मच्छार पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था।

जांच में सामने आया है कि 2024 में, जब वह ओमान एयर में ट्रेनी को-पायलट के रूप में कार्यरत था, तब उसके पास से कट्टरपंथी और जिहादी गतिविधियों से संबंधित कई कागजात मिले थे। इस खुलासे के बाद उसे उड़ान भरने से रोककर प्रशासनिक कार्यों में लगा दिया गया था। अब जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि ऐसी पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को फ्लाईदुबई में को-पायलट के रूप में कैसे नियुक्त किया गया, और ओमान व इजरायल के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद उसे इजरायल जाने वाली उड़ान की जिम्मेदारी कैसे सौंपी गई। हमले के बाद आरोपी को-पायलट को सऊदी अरब में इलाज के बाद आगे की जांच के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सौंप दिया गया है। काकपिट हमले की इस घटना के बाद इजरायल और अमेरिका ने आक्रामक रुख अपनाया है, जबकि खाड़ी देश संयम बरत रहे हैं। आरोपी सह-पायलट ने कथित तौर पर कई बार फलस्तीनियों के समर्थन और इजरायल के प्रति विरोध की भावना व्यक्त की थी।

यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद के सलाहकार अनवर गर्गाश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भारतीय पायलट स्मित मच्छार की बहादुरी की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्मित ने अपनी सूझबूझ और हिम्मत से एक बड़ी संभावित त्रासदी को टालने में मदद की। गर्गाश ने इस घटना को एक खतरनाक आतंकवादी कृत्य बताया और स्मित के पेशेवर रवैये व सही काम करने की भावना को सच्चा नायक बताया।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि यदि फ्लाईदुबई घटना के पीछे किसी देश का हाथ पाया गया तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी होगी। हालांकि, नेतन्याहू ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। उन्होंने एक बयान में कहा कि समय के साथ घटना की तस्वीर स्पष्ट हो रही है और हमलावर कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था और उसका इरादा विमान में सवार सभी यात्रियों के साथ विमान को दुर्घटनाग्रस्त करना था।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया को ट्रंप की चेतावनी : अलास्का एलएनजी में निवेश नहीं किया तो बढ़ेगा आर्थिक बोझ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया को अलास्का के प्रस्तावित एलएनजी प्रोजेक्ट में निवेश को लेकर दबाव डालते हुए कहा है कि अगर सियोल जल्द समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो अमेरिका उससे ज्यादा पैसे वसूलेगा । ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर दक्षिण कोरिया जल्द हस्ताक्षर नहीं करता है तो वह रकम दोगुनी कर देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अतिरिक्त राशि किस रूप में ली जाएगी। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, ट्रंप की यह टिप्पणी व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान आई। इससे दो दिन पहले उन्होंने दक्षिण कोरिया के अमेरिकी निवेश पैकेज के तहत अलास्का एलएनजी परियोजना, टेक्सास में गैस आधारित बिजली संयंत्र और आठ परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से जुड़ी योजनाओं की घोषणा की थी। हालांकि, दक्षिण कोरियाई सरकार ने स्पष्ट किया है कि अलास्का एलएनजी परियोजना में निवेश को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। सियोल का कहना है कि परियोजना की व्यावसायिक व्यवहार्यता और अन्य शर्तों की समीक्षा के बाद ही आगे बढ़ा जाएगा। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक ने पहले कहा था कि दक्षिण कोरिया अलास्का एलएनजी परियोजना में 50 अरब डालर से अधिक का निवेश करेगा। वहीं, अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच जारी दस्तावेजों में परियोजना को वाणिज्यिक शर्तों और कानूनी आवश्यकताओं की पूर्ति से जोड़कर देखा गया है। अलास्का एलएनजी परियोजना में राज्य के नार्थ स्लोप से दक्षिणी अलास्का तक करीब 1,298 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बनाने और प्राकृतिक गैस को तरलीकृत कर एशियाई बाजारों में भेजने की योजना है।

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में ज्वालामुखी फटा, करीब 500 साल से था निष्क्रिय

मास्को। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में करीब पांच सदियों से शांत पड़े क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ। जुलाई 2025 में कामचटका के पास समुद्र के भीतर आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के कुछ दिनों बाद इस ज्वालामुखी में गतिविधियां शुरू हुई थीं। अब नासा और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के संयुक्त उपग्रह निसार ने अंतरिक्ष से इस ज्वालामुखी के विस्फोट और लावे के फैलाव की तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों को मिलाकर वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ टाइम-लैप्स वीडियो तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक क्राशेनिनिकोव ज्वालामुखी करीब 500 सालों से निष्क्रिय था। उपलब्ध वैज्ञानिक रिकार्ड के मुताबिक इसका पिछला विस्फोट करीब 1550 ईस्वी के आसपास हुआ था। लंबे समय से शांत रहने के कारण इसकी जमीन पर लगातार निगरानी के लिए विशेष उपकरण भी नहीं लगाए गए थे। ऐसे में ज्वालामुखी में शुरू हुई नई गतिविधियों को अंतरिक्ष से निगरानी कर रहे निसार उपग्रह ने दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक कामचटका क्षेत्र में अक्सर बादल, बर्फ और तूफान रहता हैं, इसलिए सामान्य कैमरों से ज्वालामुखी की गतिविधियों को लगातार देखना मुश्किल होता है। रडार तकनीक ने इस बाधा को दूर किया। निसार ने दिसंबर 2025 से क्राशेनिनिकोव क्षेत्र की निगरानी शुरू की और हर 12 दिन में दो बार यहां से गुजरते हुए नई तस्वीरें खींची। अगस्त 2026 के मध्य तक प्राप्त 17 रडार तस्वीरों को जोड़कर तैयार किए गए टाइम-लैप्स में लावे के धीरे-धीरे फैलने की प्रक्रिया दिखाई देती है।

वैज्ञानिकों ने धरती और मानव सभ्यता के भविष्य को समझने बनाए माडल

वाशिंगटन। धरती और मानव सभ्यता के अगले 1000 वर्षों को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने भविष्य के 10 संभावित माडल तैयार किए हैं। भविष्य के इन माडलों को ट्रांसह्यूमनिज्म की अवधारणा से जोड़कर देखें तो एक संभावना ऐसी दुनिया की बनती है, जहां तकनीक मानव क्षमताओं को बढ़ाने का माध्यम बन सकती है। इन माडलों में केवल जलवायु, संसाधन और सभ्यता के उत्थान-पतन की बात नहीं है, बल्कि यह सवाल भी सामने आता है कि तेजी से विकसित होती तकनीक इंसान को किस दिशा में ले जा सकती है। आज एआई, रोबोटिक्स, जैव-तकनीक और मानव-मशीन इंटरफेस जिस तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, वे भविष्य में शरीर और मशीन के बीच की पारंपरिक सीमा को बदल सकते हैं। हालांकि वैज्ञानिक माडल यह तय नहीं करते कि ऐसा भविष्य निश्चित रूप से आएगा। इन संभावित परिदृश्यों में तकनीक सभ्यता को संकट से उबरने में मदद करने वाली शक्ति भी बन सकती है और गलत तरीके से इस्तेमाल होने पर उसके पतन का कारण भी। कुछ माडलों में सभ्यता के विकास के बाद उसके पतन और फिर दोबारा उभरने के चक्र दिखाई देते हैं। इसका अर्थ यह है कि भविष्य की तकनीकी प्रगति हमेशा सीधी रेखा में आगे बढ़े, यह जरूरी नहीं है। सबसे बड़ा सवाल मानव और मशीन के रिश्ते को लेकर है।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद जी7 देश जारी करेंगे 10 करोड़ बैरल इमरजेंसी तेल व डीजल भंडार

ब्रूसेल्स

डीजल की बढ़ती कीमतों और डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अमेरिकी डीज़ल की सप्लाई रोकने की धमकी के बीच जी7 देशों ने अपने रणनीतिक तेल और डीजल भंडार का बड़ा हिस्सा बाजार में जारी करने पर सहमति जताई है। इसके तहत करीब 10 करोड़ (100 मिलियन) बैरल तक ईंधन जारी किया जा सकता है।

ब्रिटिश दैनिक समाचार पत्र द गार्डियन के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जी7 नेताओं के साथ वीडियो कान्फ्रेंस के बाद बताया कि सदस्य देशों ने वैश्विक बाजार में आपूर्ति बढ़ाने और पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर डीजल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए रणनीतिक भंडार का इस्तेमाल करने पर सहमति जताई है।

प्रस्ताव के अनुसार, करीब 5 करोड़ बैरल डीजल और 5 करोड़ बैरल कच्चा तेल बाजार में जारी किया जाएगा। मैक्रों के मुताबिक, शुरुआती 20 दिनों में बड़ी मात्रा में डीजल उपलब्ध कराया जाएगा और इसके बाद जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भंडार जारी करने के विकल्प पर चर्चा की जाएगी।

गौरतलब है कि, जी7 देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं। मैक्रों ने कहा कि सदस्य देश यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि ईंधन की आपूर्ति बनाए रखने के लिए निर्यात पर कोई प्रतिबंध न लगे।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूरोपीय देश अपने बड़े डीजल भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जारी करने पर सहमत हुए हैं और प्रक्रिया तत्काल शुरू होगी। अमेरिका ने इससे पहले यूरोपीय देशों पर अपने रणनीतिक भंडार का इस्तेमाल करने का दबाव बनाया था।

अमेरिकी डीजल निर्यात पर संभावित रोक यूरोप के लिए चिंता का विषय है। यूरोप अपनी डीजल जरूरत का करीब 70 प्रतिशत घरेलू रिफाइनरियों से पूरा करता है, जबकि बाकी आपूर्ति के लिए आयात पर निर्भर रहता है। मध्य पूर्व से ईंधन आपूर्ति में व्यवधान और क्षेत्रीय रिफाइनरियों के उत्पादन में कमी के साथ चीन की रिफाइनरियों के उत्पादन में भी गिरावट आई है। वहीं, यूक्रेन की ओर से रूसी रिफाइनरियों पर किए गए हमलों ने रूस के ईंधन उत्पादन को प्रभावित किया है।

इन परिस्थितियों के बीच अमेरिका ने विदेशी खरीदारों को डीजल और अन्य रिफाइंड ईंधन का रिकार्ड निर्यात किया। इससे अमेरिकी डिस्टिलेट भंडार मौसमी आधार पर 1996 के बाद सबसे निचले स्तर तक पहुंच गया।

ब्रिटेन में डीजल की औसत कीमत 2 प्रति लीटर तक पहुंच गई। एक औसत पारिवारिक कार की टंकी भरने की लागत करीब 110 हो गई है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर रही। रणनीतिक भंडार जारी करने की खबर के बाद कीमत कुछ समय के लिए करीब 98 डालर तक नीचे आई, लेकिन बाद में फिर 102 डालर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई।

मैक्वेरी ग्रुप के वाल्ट चांसलर ने कहा कि केवल रणनीतिक भंडार जारी करने से अमेरिका या वैश्विक ऊर्जा बाजार की मूल समस्या का समाधान नहीं होगा। उनके मुताबिक, मौजूदा संकट से निपटने के लिए मध्य पूर्व और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल की आपूर्ति बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने मार्च में अपने इतिहास में सरकारी तेल भंडार की सबसे बड़ी सामूहिक निकासी का फैसला किया था। ईरान पर अमेरिकी-इजराइली हमलों के बाद आपूर्ति और कीमतों पर दबाव कम करने के लिए 40 करोड़ बैरल आपातकालीन कच्चा तेल जारी करने पर सहमति बनी थी। यह मात्रा आईईए देशों के कुल सरकारी भंडार का लगभग एक-तिहाई थी।

उत्तर कोरिया ने किया मिसाइल का परीक्षण, 700 किमी से अधिक गई

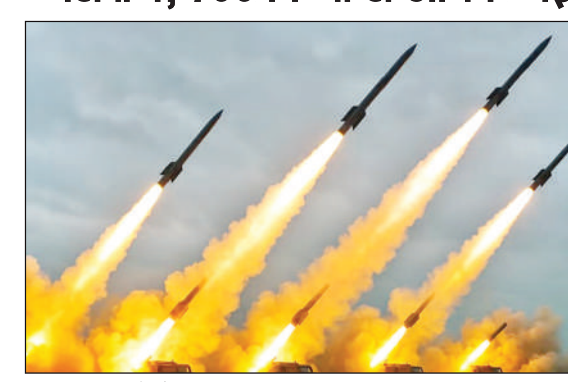

सियोल

उत्तर कोरिया ने ईस्ट सी (जापान सागर) की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब अंतर-कोरियाई सीमा पर बारूदी सुरंग विस्फोट को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, दक्षिण कोरिया के जाइंट चीफ्स आफ स्टाफ (जेसीएस) ने बताया कि सुबह करीब 6:30 बजे वोनसान क्षेत्र से मिसाइल लान्च की गई। मिसाइल समुद्र में गिरने से पहले 700 किलोमीटर से अधिक दूरी तक गई। जेसीएस ने कहा कि मिसाइल की सटीक तकनीकी विशेषताओं और प्रकार का विश्लेषण अमेरिका के साथ मिलकर किया जा रहा है।

दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने लान्च के शुरुआती चरण से ही उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखी थी। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि वह उत्तर कोरिया की सैन्य गतिविधियों की निगरानी कर रही है और संभावित उकसावे की स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

सेना ने अभी मिसाइल के प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दक्षिण कोरियाई सरकार के एक सूत्र के अनुसार, इसकी उड़ान विशेषताओं को देखते हुए यह मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल या इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का कम दूरी वाला परीक्षण हो सकता है।

यह मिसाइल परीक्षण 21 सितंबर को डीएमजेड में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद हुआ है। दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, विस्फोट में उसके तीन सैनिक घायल हुए थे, जिनमें दो गंभीर रूप से घायल हुए।

सियोल ने इस घटना के लिए उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया और इसे युद्धविराम समझौते का उल्लंघन बताया। दक्षिण कोरिया ने प्योंगयांग से माफी मांगने और सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ाने से रोकने की मांग की। हालांकि, उत्तर कोरिया ने इन आरोपों को खारिज किया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने अपने बयानों में घटना में प्योंगयांग की भूमिका से इनकार किया और दक्षिण कोरिया को जवाबी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने दक्षिण कोरिया के उस प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें सैन्य सीमांकन रेखा को स्पष्ट करने के लिए बातचीत की बात कही गई थी। शनिवार का लान्च बीते 20 सितंबर के मिसाइल परीक्षण के करीब दो सप्ताह बाद हुआ है। उस दिन उत्तर कोरिया ने वोनसान क्षेत्र से ईस्ट सी की ओर दो कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं।

सूर्य भी अन्य तारों की तरह रखता है भयानक सुपरफ्लेयर्स पैदा करने की क्षमता

बर्लिन। हमारा सूर्य भी ब्रह्मांड के अन्य तारों की तरह भयानक सुपरफ्लेयर्स पैदा करने की पूरी क्षमता रखता है। यह खुलासा किया जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फार सोलर सिस्टम रिसर्च के वैज्ञानिकों ने। ताजा अध्ययन के अनुसार, यह एक ऐसा जानलेवा रेडिएशन विस्फोट होता है, जिसकी ऊर्जा अरबों हाइड्रोजन बमों के एक साथ फटने जितनी हो सकती है। खगोलविदों ने साल 1947 के एक ऐतिहासिक सनस्पाट का डेटा खंगाला, जिसका आकार हमारी पृथ्वी से लगभग 40 गुना बड़ा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि इतना विशाल एक्टिव रीजन अंतरिक्ष में एक प्रलयकारी सुपरफ्लेयर को जन्म दे सकता है। अगर भविष्य में ऐसा कोई महाविस्फोट हुआ, तो दुनिया भर की आधुनिक तकनीक और संचार व्यवस्था पल भर में ठप पड़ जाएगी। वैसे तो हमारा सूर्य हर रोज सौर लपटें यानी सोलर फ्लेयर्स उगलता रहता है, जिनसे निकलने वाली ऊर्जा भी कई हाइड्रोजन बमों के बराबर होती है। पृथ्वी का मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और घना वायुमंडल हमें इन सामान्य तूफानों से सुरक्षित रखते हैं। हालांकि, ब्रह्मांड में सूर्य जैसे कई तारों पर सुपरफ्लेयर्स दर्ज किए गए हैं, जो हमारे सामान्य सौर तूफानों से सैकड़ों या हजारों गुना अधिक शक्तिशाली होते हैं।

आस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में 4.8 तीव्रता का भूकंप, मेलबर्न तक महसूस हुए झटके

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में शनिवार तड़के 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके मेलबर्न समेत राज्य के कई हिस्सों में महसूस किए गए। जियोसाइंस आस्ट्रेलिया के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेलबर्न से करीब 130 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में लियोन्गाथा के पास था।

ब्रिटिश दैनिक समाचार पत्र द गार्डियन के मुताबिक, स्थानीय समय के अनुसार भूकंप रात करीब 2:01 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे था। जियोसाइंस आस्ट्रेलिया को हजारों लोगों से भूकंप महसूस किए जाने की रिपोर्ट मिली। मेलबर्न के पूर्वी उपनगरों के अलावा प्रेस्टन, हीडलबर्ग हाइट्स, वीनस बे और आसपास के अन्य इलाकों में भी लोगों ने झटके महसूस किए।

सोशल मीडिया पर लोगों ने बताया कि भूकंप के कारण उनकी नींद खुल गई और घरों में कंपन महसूस हुआ। कई लोगों ने फर्नीचर और घर के हिलने की जानकारी साझा की।

विक्टोरिया की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने लोगों को भूकंप के दौरान नीचे झुकने, मजबूत फर्नीचर के नीचे छिपने और सिर व गर्दन को सुरक्षित रखने की सलाह दी। आस्ट्रेलिया के मौसम विभाग ने कहा कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। मुख्य भूकंप के करीब 55 मिनट बाद 3.1 तीव्रता का आफ्टरशाक भी दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले दिनों या हफ्तों में इस क्षेत्र में और आफ्टरशाक महसूस किए जा सकते हैं।

मेलबर्न यूनिवर्सिटी के भूकंप विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर मार्क क्विगली ने कहा कि साउथ गिप्पसलैंड आस्ट्रेलिया के अधिक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है। उनके मुताबिक, 4.8 तीव्रता के भूकंप के बाद आफ्टरशाक आना असामान्य नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप करीब 10 किलोमीटर की गहराई में चट्टान के एक हिस्से में अचानक हलचल के कारण आया। उन्होंने कहा कि भूकंप की गतिविधि बढ़ने जैसी धारणा के बावजूद हाल के वर्षों में भूकंपों की आवृत्ति में कोई स्पष्ट वृद्धि नहीं हुई है।

साउथ गिप्पसलैंड क्षेत्र को भूकंपीय गतिविधि के लिहाज से सक्रिय माना जाता है। विक्टोरिया में 2021 में मैन्सफील्ड के पास 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जबकि 2023 में ग्रेट ओशन रोड क्षेत्र में 5.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। शनिवार का 4.8 तीव्रता वाला भूकंप 2023 के बाद विक्टोरिया में दर्ज सबसे बड़ा भूकंप बताया गया है।

क्विगली ने कहा कि लोगों के लिए यह देखना उपयोगी होगा कि उनके घरों में ऐसी कौन-सी वस्तुएं हैं, जो बड़े भूकंप की स्थिति में गिरकर नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि भूगर्भीय रिकार्ड से पता चलता है कि गिप्पसलैंड में अतीत में इससे कहीं अधिक शक्तिशाली भूकंप भी आए हैं।

बलूचिस्तान : सुराब में पाकिस्तानी बमबारी से मस्जिद और घर क्षतिग्रस्त, बलिचा में वकीलों ने किया अदालतों का बहिष्कार

सुराब

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के सुराब जिले के नागर इलाके में कथित पाकिस्तानी सेना की बमबारी में एक मस्जिद और कई घरों को नुकसान पहुंचने की खबर है। घटना के विरोध में स्थानीय निवासियों ने मुख्य हाईवे जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर बल प्रयोग किया। हालांकि, घटना में किसी के मारे जाने या घायल होने की तत्काल सूचना नहीं है।

बलूचिस्तान की आनलाइन समाचार नेटवर्क द बलूचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय निवासियों के हवाले से बताया कि नागर में रात के समय बमबारी हुई, जिससे कई घरों और एक मस्जिद को नुकसान पहुंचा। इसके बाद लोगों ने मुख्य हाईवे पर प्रदर्शन कर घटना का विरोध किया।

इसी बीच, मकरान डिवीजन के वकीलों ने केच जिले के बलिचा में 24 सितंबर को हुए एक कथित ड्रोन हमले के विरोध में अदालती

कामकाज का बहिष्कार किया। मकरान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के आह्वान पर तुरबत, ग्वादर, पंजगुर और पासनी के वकील अदालतों में पेश नहीं हुए। इससे कई मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई और अदालत पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वकीलों के संगठनों ने बलिचा की घटना को त्रासदी बताते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। उनके अनुसार, चार स्थानीय युवक पिकनिक मनाने के लिए लोथम के पहाड़ी इलाके में गए थे, जहां कथित ड्रोन हमले में उनकी मौत हो गई। उन्होंने जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की।

परिवार के सूत्रों के अनुसार, बलिचा के छह निवासी लोथम गए थे। इनमें चार लोग खाना बना रहे थे, जबकि दो अन्य शिकार के लिए गए थे। इसी दौरान हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतकों में तीन चचेरे भाई भी शामिल थे।

हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने मृतकों को संदिग्ध उग्रवादी बताया और उनके पास से हथियार तथा गोला-बारूद बरामद होने का दावा किया। परिवारों और स्थानीय निवासियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि मृतक आम नागरिक थे और पिकनिक के लिए इलाके में गए थे। यह घटनाक्रम बलूचिस्तान में हाल के महीनों में हवाई हमलों और बमबारी की सामने आई रिपोर्टों के बीच हुआ है। अगस्त में सुराब के गिदार गोंधन के निवासियों ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों पर आम लोगों के घरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। स्थानीय लोगों के अनुसार, उस घटना में महिलाएं और बच्चे मारे गए तथा घायल हुए। इसके बाद परिवारों ने क्वेटा-कराची हाईवे पर धरना दिया था। पाकिस्तानी सेना ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि विस्फोटक तैयार कर रहे चरमपंथियों की समय से पहले हुए विस्फोट में मौत हुई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढ़ीया बितेगा .
आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं. कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्त्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अक्टूबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 03:55 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 12:14 तक
योग : परिघ दोपहर 12:32 तक
करण : तैतिल सायं 04:53 तक
चन्द्रराशि : मिथुन सायं 06:32 तक
सूर्योदय : 06:06 ,सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:00 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नवमी श्राद्ध , सौभाग्यवतीनां श्राद्ध

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सिग्नोदिया कॉलेज में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति के एस. डी. सिग्नोदिया कॉलेज के एम. बी. ए. विभाग में विशिष्ट प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विभाग के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती देवी की पूजा–अर्चना के साथ हुआ।

एम. बी. ए. विभाग के द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में निकिता ठाकुर ने सभी छह विषयों में उत्कृष्ट रैंक प्राप्त की। जी. ज्योति ने पांच विषयों में उत्कृष्ट तथा एक विषय में ए–प्लस रैंक हासिल की। हरमिंदर कौर ने चार विषयों में उत्कृष्ट तथा दो विषयों में ए–प्लस रैंक प्राप्त किया। इसी प्रकार एच. सी. राहुल ने भी चार विषयों में उत्कृष्ट तथा दो विषयों में ए–प्लस रैंक हासिल किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले इन चारों विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

चालू शैक्षणिक वर्ष 2026–27 में एम. बी. ए. विभाग की सभी 120 सीटें पूर्ण होने पर मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने विभाग की निदेशक प्रोफेसर पल्लवी रंगनाथ तथा सभी सहायक प्रोफेसरों को बधाई देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ वार्तालाप करते हुए मुकुंद लाल अग्रवाल ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं प्रोफेसरों को बधाई दी तथा भविष्य में और अच्छे परिणाम लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करने के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रोजगार संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने खेलकूद के लिए सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सहायक प्रोफेसर रश्मिता तथा रोजगार एवं नियुक्ति संबंधी गतिविधियों के लिए सहायक प्रोफेसर वेंकटेश से संपर्क करने की बात कही।

उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में विभाग के मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, निदेशक प्रोफेसर पल्लवी रंगनाथ, सहायक प्रोफेसर सत्यजीत सिंह ठाकुर, वेंकटेश, रश्मिता, पद्मजा, पुस्तकालयाध्यक्ष सीनू तथा कार्यालय के कर्मचारी वेणुगोपाल, सुनयना आदि उपस्थित थे।

विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ की साधारण सभा आज

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विंध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ के एक वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर साधारण सभा का आयोजन रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को शाम 6 बजे संतोषी माता मंदिर, मुस्लिम जंग पुल, बेगम बाजार में किया जाएगा।संघ के वर्तमान अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय एवं प्रवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए संघ के सभी नियमित सदस्यों से साधारण सभा में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।सभा में अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

बांसवाड़ा, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को बांसवाड़ा टाउन सेंटर में आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा टाउन अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने समाज के निर्माण और छोटे बच्चों के भविष्य को संवारने में आंगनवाड़ी शिक्षिकाओं की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा छोटे बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने और उनके स्वास्थ्य की देखभाल करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम में नेमाली के सरपंच राम गोपाल रेड्डी, जिला परिषद सदस्य नं. प्रसाद, पूर्व विधानसभा संयोजक श्रीनिवास लक्ष्मीनारायण, भाजपा टाउन महासचिव चिरंजीवी, भाजपा पार्षद भाष्यम भास्कर रेड्डी, गजाला महेश, श्यामला श्रीकांत, भाजपा नेता चीकटला राजू पुरुषोत्तम, भूमेश, पद्मा नरेश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्राद्ध पक्ष में सेवा परमो धर्म संस्था ने कराया अन्नदान

जरूरतमंदों को कराया भोजन, 300 से अधिक लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा परमो धर्म संस्था की ओर से श्राद्ध पक्ष के पावन अवसर पर शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के शुभ अवसर पर लोअर टैंक बंड स्थित गौशाला के बाहर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्था की महिलाओं ने अपने पूर्वजों की स्मृति में इस सेवा कार्य को समर्पित करते हुए जरूरतमंद एवं गरीब लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की। कार्यक्रम में संस्था की सभी शाखाओं के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सभी सदस्यों ने अपने–अपने घरों से प्रेमपूर्वक विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर लाए और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराने में अपना सहयोग दिया। सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास एवं सेवाभाव से कार्यक्रम सुंदर एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में लगभग 300 जरूरतमंद लोगों ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करने वाले लोगों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। सभी ने संस्था की महिलाओं के इस सराहनीय सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें हृदय से धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अंत में चंदा मोदी एवं संतोष चौहान ने सेवा परमो धर्म संस्था के सभी सदस्यों को कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके सहयोग एवं समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

संस्था का उद्देश्य सदैव समाज सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करना और मानव सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाना है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, तहसीलदार से कार्रवाई की मांग

मदनूर, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के कोड़चीरा गांव की सरपंच तेजश्री, उपसरपंच कृष्णा गौड़ एवं ग्राम वार्ड सदस्यों ने शनिवार को तहसीलदार एम.डी. मुजीब को आवेदन देकर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और मुरुम की बिक्री का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कोड़चीरा से अवलगांव जाने वाले मार्ग पर सड़क निर्माण के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध है। इसी क्षेत्र में वेंकटेश्वर मंदिर, हनुमान मंदिर, नाबार्ड ग्रामीण प्रकृति उद्यान, किसान भवन तथा पोचम्मा मंदिर स्थित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग नेताओं की मदद से सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर मुरुम निकालकर दूसरे गांवों में बेच रहे हैं। अवैध परिवहन के कारण सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। सरपंच, उपसरपंच और वार्ड सदस्यों ने तहसीलदार से सरकारी जमीन का सर्वेक्षण कराकर उसे गांव की जरूरतों के लिए सुरक्षित रखने तथा अवैध कब्जे और मुरुम परिवहन पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

बारिश–बिजली की कमी से कपास–सोयाबीन की फसलें सूखीं

मदनूर, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल के बड़ा तडगुर गांव में पर्याप्त बारिश की कमी, अनियमित बिजली आपूर्ति और एलिनू तूफान के प्रभाव से सूखे बोरवेल के कारण किसान परेशान हैं। कपास और सोयाबीन की फसलें सूखने से किसानों को भारी नुकसान की आशंका है।जुक्कल के पूर्व विधायक हनुमंत शिंदे ने गांव में सूखी फसलों का निरीक्षण कर किसानों से उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने सरकार से तत्काल फसल क्षति का जमीनी स्तर पर आकलन कराने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग की। किसानों ने सरकार से जल्द सहायता उपलब्ध कराने की अपील की।

शांति व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर मंचेरियल जोन में पुलिस की नाकाबंदी

मंचेरियल, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से मंचेरियल जोन में पुलिस ने विशेष नाकाबंदी अभियान चलाया। रामागुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के निर्देश पर तथा मंचेरियल पुलिस उपायुक्त ए. भास्कर की निगरानी में जोन के सभी पुलिस थानों की सीमा में पुलिसकर्मियों ने एक साथ आकस्मिक नाकाबंदी कर वाहनों की व्यापक जांच की। पुलिस के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य अवैध परिवहन, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की पहचान करना तथा चोरी, चेन स्नैचिंग सहित अन्य आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाना है। इसके साथ ही किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस द्वारा सतर्कता बढ़ाई गई है।नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों को रोककर उनकी गहन जांच की गई। पुलिस ने वाहनों के पंजीकरण प्रमाणपत्र, वाहन चलाने का लाइसेंस, बीमा, वाहन की उपयुक्तता प्रमाणपत्र और प्रदूषण प्रमाणपत्र सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की।जांच के दौरान नशे में वाहन चलाने, तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाने, तीन सवारियों के साथ वाहन चलाने, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने, बिना हेलमेट वाहन चलाने तथा आवश्यक दस्तावेजों के बिना वाहन चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई।पुलिस ने संबंधित मामलों में प्रकरण दर्ज करने के साथ जुर्माना भी लगाया। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया।

गायत्री जूनियर कॉलेज के छात्र का अंडर–17 खो–खो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

पेद्दापल्ली, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली स्थित गायत्री जूनियर कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र अटला विनय कुमार का चयन अंडर–17 खो–खो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 14 अक्टूबर को हैदराबाद के सरूरनगर में आयोजित की जाएगी।इस अवसर पर गायत्री शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष श्रीनिवास ने अटला विनय कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ छात्रों को खेलों को भी उचित महत्व देना चाहिए। खेल छात्रों में मानसिक स्थिरता, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करते हैं तथा उन्हें मिल–जुलकर काम करने और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने की सीख देते हैं।उन्होंने कहा कि खेलों से सीखे गए ये गुण भविष्य में छात्रों को जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने में बहुत उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने विनय कुमार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। गायत्री शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष श्रीनिवास एवं जूनियर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेश ने भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर अटला विनय कुमार को बधाई दी और प्रतियोगिता में उनकी सफलता की कामना की।

पोकर खेलते छह गिरफ्तार, 28,120 नकद जब्त

पेद्दापल्ली, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस आयुक्त के आदेश पर 2 अक्टूबर 2026 को पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि पेद्दापल्ली टाउन थाना क्षेत्र के भूमनगर इलाके में सट्टेबाजी के जरिए अवैध रूप से तीन पत्ती पोकर खेला जा रहा है। सूचना के आधार पर एसीपी बी. श्रीनिवास राव एवं एसआई डिकोंडा रमेश के नेतृत्व में मादक पदार्थ निरोधक दल/टास्क फोर्स, टास्क फोर्स के कर्मियों तथा पेद्दापल्ली टाउन पुलिस ने संयुक्त रूप से भूमनगर में छापेमारी की। इस दौरान तीन पत्ती पोकर खेल रहे छह लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से 52 ताश के पत्ते, 28,120 रुपये नकद, सात मोबाइल फोन तथा एक स्कूटी जब्त की। गिरफ्तार किए गए सभी छह व्यक्तियों को जब्त सामग्री के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पेद्दापल्ली टाउन थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को सौंप दिया गया।

डिफेंस शराब की अवैध बिक्री पर छापा, 58 बोतलें बरामद

पेद्दापल्ली, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली में डिफेंस (आर्मी) शराब की अवैध बिक्री की सूचना पर निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा। यह कार्रवाई 2 अक्टूबर 2026 को की गई।माननीय उप आयुक्त, निषेध एवं उत्पाद शुल्क जे. रवि कुमार तथा जिला निषेध एवं उत्पाद शुल्क अधिकारी श्रीनिवास मूर्ति के आदेशानुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर पेद्दापल्ली के जिला निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक वी. वेंकटेश्वर के नेतृत्व में पेद्दापल्ली स्टेशन के कर्मचारियों ने पेद्दापल्ली के पेद्दा कलवाला क्षेत्र में डिफेंस (आर्मी) शराब बेच रहे एक व्यक्ति के घर पर छापा मारा।छापेमारी के दौरान 750 मिलीलीटर की 29 माध्यमिक शराब की बोतलें, पीटर स्कॉच की 8 बोतलें, ब्लेंडर स्प्राइड की 10 बोतलें और सिग्नेचर की 11 बोतलें बरामद की गईं। बरामद शराब को जब्त कर लिया गया। उक्त व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। जिला निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक वी. वेंकटेश्वर ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। वेंकटेश्वर तथा पेद्दापल्ली स्टेशन के एसआई दामोदर शेट्टी ने लोगों से अपील की कि यदि किसी को गुडुंबा (अवैध देशी शराब) या अन्य अवैध शराब के संबंध में कोई जानकारी हो तो विभाग को सूचित करें।जिला टास्क फोर्स निरीक्षक वेंकटेश्वर वैध्य तथा पेद्दापल्ली निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक राजिथा ने भी एक बयान में अवैध शराब के संबंध में जानकारी विभाग तक पहुंचाने की अपील की।छापेमारी में एसआई दामोदर तथा स्टाफ हेड कांस्टेबल संदीप, तिरूपति, कांस्टेबल डी. सुरेश, बी. नवीन और पी. नागाराजू ने भाग लिया।

अर्जुन को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने सहे थे इस योद्धा के 12 तीर

महाभारत के युद्ध को इतिहास के सबसे भीषण रक्तपात वाले युद्धों में से एक माना जाता है। इस युद्ध से जुडी हुई कहानियां आज भी याद की जाती है। देखा जाए तो 18 दिनों तक चले इस युद्ध से हम आज भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। श्रीकृष्ण ने युद्ध के समय दुविधा में घिरे अर्जुन को गीता सार द्वारा जीवन की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से लडने की शिक्षा दी थी।

महाभारत में वर्णित एक ऐसी ही कहानी है कर्ण और अर्जुन के युद्ध के समय की।

महाभारत युद्ध में कर्ण और अर्जुन आमने-सामने थे। युद्ध बहुत भयंकर होता जा रहा था। दोनों योद्धा एक-दूसरे पर शक्तियों का प्रयोग कर रहे थे। कर्ण ने अर्जुन को हराने के लिए सर्प बाण चलाने का निर्णय किया। इस बाण को कर्ण ने वर्षों से अर्जुन पर प्रहार के लिए रखा था। वास्तव में ये बाण पाताललोक में अश्वसेन नाम का नाग था, जो अर्जुन को अपना शत्रु मानता था। इसका कारण ये था कि खांडववन में अर्जुन ने उसकी माता का वध किया था। अश्वसेन तभी से अर्जुन को मारने के लिए मौके की तलाश में था।

कर्ण को सर्प बाण का प्रयोग करते देख अश्वसेन खुद बाण पर विराजित हो गया। कर्ण ने अर्जुन पर तीर से निशाना बनाया। अर्जुन बाण का रूप धारण किए नाग को पहचान नहीं पाए जबकि अर्जुन का रथ चला रहे भगवान कृष्ण ने अश्वसेन को तत्काल ही पहचान लिया। अर्जुन के प्राणों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पैरों से रथ को दबा दिया। रथ के पहिए जमीन में धंस गए। घोडे बैठ गए और तीर अर्जुन के गले की बजाय उसके मस्तक पर जा लगा। इससे उसका मुकुट छिटककर धरती पर जा गिरा।

इस तरह श्रीकृष्ण ने अपने पार्थ अर्जुन को बचा लिया। अर्जुन और भगवान कृष्ण रथ के धंसे पहिए निकालने के लिए नीचे उतरे। तभी मौका देखकर कर्ण ने अर्जुन पर वार शुरू कर दिया और कृष्ण को 12 तीर मारे। पूरी सृष्टि के रचयिता भगवान श्रीकृष्ण ने उन बाणों के घाव को सह लिया। भगवान ने अर्जुन को अश्वसेन के बारे में बताया। अर्जुन ने छह तीरों से अश्वसेन के टुकड-टुकडे कर दिए और इस तरह भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं पीडा सहते हुए अपने परमप्रिय अर्जुन को बचा लिया।

धन की देवी लक्ष्मी की ये 5 बातें जानकर खुल जाएंगे किस्मत के दरवाजे

हिंदू धर्म में देवी लक्ष्मी का स्थान बहुत बड़ा है, हर घर में लक्ष्मी की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि अगर लक्ष्मी आप पर मेहरबान रहे तो आपके घर में धन, सुख की वर्षा जरूर होगी। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे देवी लक्ष्मी से जुडी ऐसी 5 रोचक बातें जो आपके भाग्य बदल सकती हैं।

1. देवी लक्ष्मी को पुराणों में भगवान विष्णु की पत्नी का दर्जा हासिल है। इन्हें धन की देवी के रुप में पूजा जाता है। इनका प्रतीक है अक्षय कलश जिसे देवी लक्ष्मी ने अपने हाथों में ले रखा है। यह कलश आप इनकी हर मूर्ति में देख सकते हैं। इसी कलश से वह धन की वर्षा करती हैं।

2. देवी लक्ष्मी को कमला नाम से भी जाना जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि वह कमल पर विराजमान रहती हैं। साथ ही इनके हाथों में कमल के फूल भी हैं। कमल पर यह इसलिए विराजमान रहती हैं क्योंकि इनका जन्म सागर में हुआ था ऐसी मान्यता है।

3. देवी लक्ष्मी की मूर्तियों में हाथी होते हैं। दरअसल यह गज लक्ष्मी का स्वरुप होता है। इस तस्वीर का मतलब है कि देवी जल और जीवन को दर्शा रही हैं। जल से इनका संबंध कृषि और जीवन से है, वहीं हाथी वर्षा का प्रतीक है।

4. अक्सर आपने सुना होगा लक्ष्मी के साथ ही अलक्ष्मी का भी वास होता है। देवी लक्ष्मी की बडी बहन अलक्ष्मी हमेशा देवी लक्ष्मी के साथ रहती हैं, इसलिए जहां भी केवल धन का वास होता है वहां सुख ज्यादा देर नहीं टिक पाती। ऐसे में हमें विष्णु की पूजा करनी चाहिए, उनके पूजन से अलक्ष्मी दूर होती है।

5. देवी लक्ष्मी के बारे में यह कहा जाता है कि उनका वाहन उल्लू है। लेकनि कम लोग जानते हैं कि देवी लक्ष्मी का वाहन हाथी भी है। हाथी को गणेश जी का भी स्वरूप माना जाता है जो शुभता को दर्शाता है यानी जहां शुभ कर्म होंगे वहां लाभ भी होगा और लक्ष्मी भी होगी।

कुंती के जन्म से जुडा है ये रहस्य, जिसने बदल दी महाभारत की कहानी

कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

महाभारत में कई चरित्र ऐसे हैं जिन्हें हमेशा से सवालों के घेरे में रखा जाता है। पांडवों और सूर्यपुत्र कर्ण की मां के रूप में कुंती द्वारा लिए गए कई निर्णयों को गलत ठहराया जाता है। जैसे महारथी और दानशील कहलाए जाने वाले कर्ण को स्वीकार न करके नदी में बहा देने की घटना को आज भी अधिकतर लोग सही नहीं मानते।

जबकि एक गलतफहमी के कारण दंड के रूप में द्रौपदी का विवाह पांचों भाईयों से करवा देने के निर्णय को भी अधिकतर लोग, खासकर आधुनिक बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन इन सब बातों से ऊपर उठकर गहराई से सोचें तो महाभारत के अधिकतर पात्र स्वयं पूर्वजन्म या बचपन में कई भीषण समस्याओं से गुजर चुके थे, जिसके कारण उनका व्यक्तित्व और कर्म प्रभावित हुए। कुंती भी इस बात का अपवाद नहीं है।

क्या आप कुंती के जन्म से जुडे रहस्य के बारे में जानते हैं। वास्तव में आज भी कितने ही लोग कुंती का असली नाम नहीं जानते। इसका कारण ये भी है कि महाभारत पर बने टीवी सीरियल्स में कुंती के जन्म से जुडी हुई कहानी को विस्तार से नहीं दिखाया गया। चलिए, हम आपको बताते हैं राजकुमारी कुंती के जन्म से जुडे हुए रहस्य के बारे में।

पृथा था राजकुमारी कुंती का नाम

यदुवंश के प्रसिद्ध राजा शूरसेन श्रीकृष्ण के पितामह थे, जिनकी पृथा नामक एक पुत्री थी। शूरसेन के फुफेरे भाई कुंतीभोज की कोई सन्तान नहीं थी, इसलिए शूरसेन ने कुंतीभोज को वचन दिया कि उनकी पहली संतान को उन्हें गोद दे देंगे। फलस्वरूप पृथा शूरसेन की पहली पुत्री थी जिसे कुंतीभोज ने गोद लिया था। जिसके बाद पृथा का नाम कुंती पड गया। इस प्रकार कुंती को मिला मंत्र द्वारा संतान उत्पत्ति का वरदान।

एक बार कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

इस तरह कुंती ने सबसे पहले सूर्यदेव की स्तुति की, जिससे उन्हें महारथी कर्ण संतान के रूप में प्राप्त हुए। इसके बाद पांडु से विवाह होने के लिए बाद उन्हें युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन की प्राप्ति हुई।

ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए

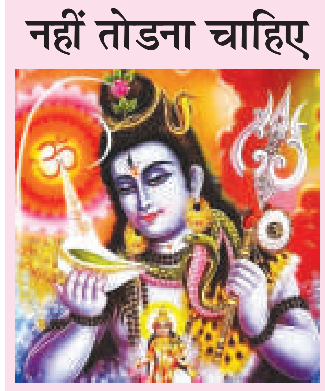

ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण माह में शिवलिंग पर बिल्बपत्र अर्पित करने बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर शिवभक्त की मनोकामना जरूर पूरी होती है। यदि बिल्बपत्र की जड का जल अपने सिर पर लगाएं तो इससे सारे तीर्थों के दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है।

बिल्बपत्र को शिवलिंग पर अर्पित करने के कुछ नियम होते हैं। यदि आप इनका पालन करते हैं तभी यह शुभकारक है। ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण सोमवार को गंध, फूल, धतूरे से जो बिल्ववृक्ष की जड की पूजा करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही श्रावण सोमवार के दिन यदि कोई कुंवारी कन्या व्रत रखें तो उसे उत्तम वर की प्राप्ति होती है।

स्त्रियों को खुश रखने के ये हैं अचूक उपाय

यदि घर की स्त्री प्रसन्न है तो जिंदगी भी सुख पूर्वक गुजरती है। मनु स्मृति में स्त्रियों को खुश रखने के लिए तीन अचूक उपाय बताए गए हैं। हालांकि आधुनिक समय में इनकी व्याख्या अलग हो सकती है।

मनु स्मृति के विचारों को हिंदू धर्म के आधार के तौर पर देखा जाता रहा है। इस पौराणिक ग्रंथ में कई रीति-रिवाज, संस्कारों के बारे में विस्तार से बताया गया है। स्त्रियों के बारे में भी इस ग्रंथ में बताया गया है, कि उन्हें कैसे प्रसन्न रखा जा सकता है। मनुस्मृति के अनुसार, जिस घर के पुरुष अपनी पत्नी, माता या बहन को अच्छे वस्त्र प्रदान करते हैं, उस घर पर भगवान हमेशा प्रसन्न रहते हैं। ऐसे घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है और सभी कामों में सफलता मिलती है। जिस घर की महिलाएं खुश रहती हैं, वहां देवताओं का निवास माना जाता है। महिलाओं को आभूषण प्रिय होते हैं। हर मनुष्य को अपने घर की महिलाओं को गहने उपहार में देना चाहिए। जिस घर की महिलाएं अच्छे कपडे और गहनों से श्रृंगार करती है, वहां कभी दरिद्रता नहीं रहती। ऐसे घर में हमेशा खुशहाली और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। पुराणों में महिलाओं का सम्मान करने की बात कही गई है। जिस घर में महिलाओं से बुरी तरह से बात की जाती है या उनका सम्मान नहीं किया जाता, ऐसे घर में भगवान भी नहीं रहते।

क्या कभी सोंचा है कि भगवान के सामने अगरबत्ती क्यूं जलाते हैं

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

क्या आपको पता है कि हम किसी धार्मिक समारोह में अगरबत्ती क्यों जलाते हैं। इसके एक से ज्यादा कारण हैं। यह एक हिन्दू प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है। हर हिन्दू प्रथा के पीछे कुछ न कुछ ठोस कारण होते हैं। चलिए अगरबत्ती जलाने के पीछे क्या कारण है यह भी जानें।

आध्यात्मिक कारण: अगरबत्ती जलाने के पीछे आध्यात्मिक कारण है। ऐसा मानते हैं कि अगरबत्ती से जो धुंए के छल्ले निकलते हैं वह हमारी पूजा को सीधे भगवान के पास ले जाते हैं। यह आपके विचार को सुंदर और पवित्र रखते हैं।

अगरबत्ती का धुआं किस तरह ले सकता है आपकी जान

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण:

अगरबत्ती को कई रोगोपचार में भी इस्तमाल करते हैं। जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो इसकी खुशबू से दिमाग पर हीलिंग और आरामदेह प्रभाव पडता है। आप मानसिक तौर पर रिलैक्स हो जाते हैं और जब आप किसी धार्मिक समारोह में बैठते हैं तो आप अपनी परेशानी को भूल जाते हैं।

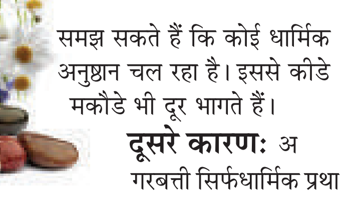

भगवान की पूजा में आपका दिल और दिमाग लगता है। जब आप पूरे मन से पूजा करते हैं तो यह समाधि का काम करता है और इससे तनाव दूर होता है।

माहौल बनाता है:

हिन्दू प्रथा में जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह आपके आस पास की गन्दी बदबू को हटाता है। यह किसी धार्मिक समारोह के लिए सही माहौल बनाता है। अगरबत्ती के सुगंध मात्र से आप यह समझ सकते हैं कि कोई धार्मिक अनुष्ठान चल रहा है। इससे कीडे मकौडे भी दूर भागते हैं।

दूसरे कारण: अगरबत्ती सिर्फधार्मिक प्रथा का ही हिस्सा नहीं हैं, यह कई दशकों से चीन, इजिप्ट, तिब्बत की प्रथाओं में चला आ रहा है। वह इसका इस्तमाल धार्मिक समारोह में ही नहीं पर निजी चीज जैसे एरोमा थेरेपी में भी करते आ रहे हैं। इसलिए अगली बार जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह ध्यान रखिये कि यह आपको एक से अधिक रूप में फायदा पहुंचाता है।

यहां भगवान से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है

यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी।

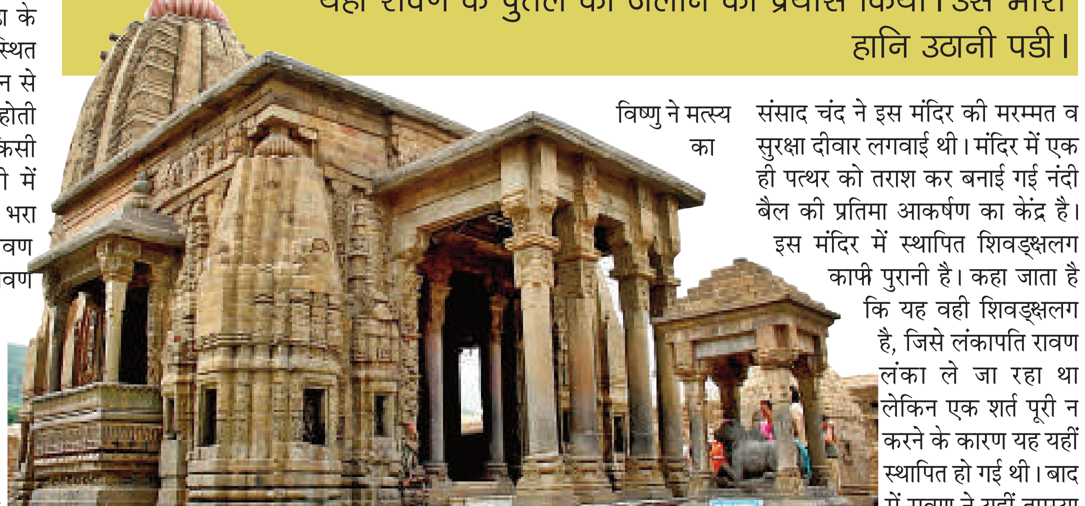

हिमाचल प्रदेश के चप्पे-चप्पे में आस्था की झलक मिलती है। यहां की संस्कृति, देवी-देवताओं पर गहरी आस्था के कारण ही इसे देवभूमि का नाम दिया गया है। देवभूमि के जिला कांगडा के बैजनाथ में ऐतहािसिक शिव मंदिर स्थित है। जहां शिव भगवान से सच्चे मन से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है कि कहीं प्रार्थना की गई है और किसी ने उसे सुना है। शिखराकार शैली में निर्मित यह मंदिर कई रहस्यों से भी भरा हुआ है। यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी। इसी मंदिर के आसपास किसी सुनार को भी अपना व्यवसाय खोलने की इजाजत नहीं है। जो दुकान चलाता है, वह दुकान ही नष्ट हो जाती है।

मंदिर से जुडी एक परंपरा जिसे अखरोट मार यानी अखरोटो की बरसात भी कहते हैं, बेहद रोचक है। इस परंपरा को हर साल बैकुठ चौदस के दिन निभाया जाता है। इस बार बैंकुठ चौदस 24 नवंबर को है। इस परंपरा के तहत शाम ढलते ही बैजनाथ शिव मंदिर की छत से हजारों अखरोटों की बरसात की जाती है। इन अखरोटों को नीचे मंदिर परिसर में खडे लोग प्रसाद के रूप में एकत्रित करते हैं। यह परंपरा सदियों से निभाई जा रही है। इस बार भी 11 हजार अखरोटों की बरसात यहां की जाएगी।

इसलिए मनाई जाती है परंपरा

मंदिर के पुजारी सुरेंद्र आचार्य बताते हैं कि इस परंपरा को मनाने के पीछे पौराणिक कथा है कि शंकासुर नामक राक्षस ने देवताओं पर जीत हासिल की मगर देवताओं की शक्ति से पार न पा सका। जब उसे पता चला के देवता वेद मंत्रों के कारण उस पर भारी पड रहे हैं तब उसने वेद मंत्रों को छीनकर जल में प्रवाहित कर दिया। उसके बाद भगवान विष्णु ने मत्स्य का रूप धारण कर वेद मंत्रों को वापस लाकर देवताओं को सौंप दिया। इसी खुशी में पहले यहां आभूषणों की बारिश की जाती थी। इसे कई दशक पहले बंद कर दिया गया था तथा इसके स्थान पर अब अखरोटों की बारिश की जाती है।

नौवीं शताब्दी में निर्मित है मंदिर

पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे में स्थित यह मंदिर नौंवी शताब्दी में निर्मित है। इसका निर्माण उस समय मयूक और अहूक नाम के दो भाइयों ने करवाया था। कांगडा के अंतिम राजा संसाद चंद ने इस मंदिर की मरम्मत व सुरक्षा दीवार लगवाई थी। मंदिर में एक ही पत्थर को तराश कर बनाई गई नंदी बैल की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर में स्थापित शिवड्क्षलग काफी पुरानी है। कहा जाता है कि यह वही शिवड्क्षलग है, जिसे लंकापति रावण लंका ले जा रहा था लेकिन एक शर्त पूरी न करने के कारण यह यहीं स्थापित हो गई थी। बाद में रावण ने यहीं तपस्या भी की थी।

शिवरात्रि व घृत पर्व भी है आकर्षण का केंद्र

मंदिर में शिवरात्रि और घृत पर्व भी आकर्षण का केंद्र है। यहां हर साल शिवरात्रि का महोत्सव राज्य स्तर पर पांच दिन मनाया जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति के दिन यहां घृत पर्व शुरू होता है। इसमें शिवड्क्षलग के ऊपर सात दिन तक कई क्विंटल देशी घी को फिर से मक्खन का रूप देकर घृत चढाया जाता है। इसे बाद में लोग चर्म रोगों से मुकित के लिए लगाते है।

थ्रेडिंग के बाद पिंपल्स से छुटकारा...

आजकल ज्यादातर महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए अपने चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग करवाती हैं। हर तरह की त्वचा पर थ्रेडिंग हो सकती है फिर चाहें आपकी त्वचा संवदेनशील हो या नहीं। पर अक्सर देखा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं को थ्रेडिंग करवाने के बाद में दाने, पिंपल्स हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको थ्रेडिंग के बाद होने वाले पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए कुछ आसान से टिप्स देगें। थ्रेडिंग करवाने से पहले अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धों लें। ऐसा करने से थ्रेडिंग के समय दर्द कम होता है। चेहरे को कॉटन के कपड़े से हल्के हाथों से पोंछ न कि रगड़कर पोंछें। अगर आप रगड़ कर कर पोंछेगे तो त्वचा ड्राई हो जाती है। अगर आपने घर पर ही टोनर बनाया हुआ है तो उसे चेहरे को हल्का नम कर दें। अगर आपके चेहरे पर दाने निकले हुए है तो उन पर जड़ी बूटी से बना टोनर ही लगाएं या फिर घर में बनी दालचीनी की चाय को टोनर के रूप में लगा सकती हैं। यह सब करने के बाद ही आप पार्लर में जाकर थ्रेडिंग करवाएं। जलन और संक्रमण से बचने के लिए अपनी आईब्रो पर बर्फ लगाएं। चेहरे को हमेशा गुलाब जल से ही धोएं। इसे लगाने से आपकी आईब्रो पर लगे कट, दाने व पिंपल ठीक हो जाते है। ध्यान में रखें कि आप जब भी थ्रेडिंग करवाकर आए तो थ्रेड़िंग वाले हिस्से को न छुएं। थ्रेडिंग करवाने के बाद कम से कम 12 घंटे की अवधि के दौरान एसिड की मौजूदगी वाले सुगांधित कॉस्मेटिक उत्पाद जैसे क्लींजर और मॉश्चराइजर न लगाएं। थ्रेडिंग के बाद किसी तरह का स्टीम ट्रीटमेंट कभी न करवाएं।

वह अजीब सा नंबर...

आप टीवी पर अपना कोई पसंदीदा शो देख रहे हैं और अचानक एक नीली पट्टी में अजीब सा नंबर दिखने लग जाता है। यह नंबर कभी-कभी आपको इरिटेट करता है, क्योंकि शो के दौरान कई बार ये दिखने लग जाता है। लेकिन क्या आपको इस नंबर की कहानी पता है? अचानक दिखने वाला यह नंबर बहुत काम का होता है और यही नंबर वीडियो पाइरेसी से भी बचाता है। टीवी स्क्रीन पर दिखने वाली रेंडम नंबर की स्ट्रिप को क्षेत्र के आधार पर चैनल एल्गोरिथम के जरिए जनरेट करता है। यह नंबर किसी भी शो के वीडियो के बीच में रेंडम तरीके से रिफ्लेक्ट होता रहता है, ताकि इस वीडियो का कोई दूसरा इस्तेमाल या कॉपी न कर पाए। अगर कोई टीवी के किसी शो या सीरियल के वीडियो को कैमरा या स्क्रीन रिकॉर्डिंग डिवाइस के माध्यम से रिकॉर्ड करता है, तो स्क्रीन पर रिफ्लेक्ट हो रहा नंबर भी उसमें आ जाता है। इससे इस बात का पता लगाने में आसानी हो जाती है कि किस क्षेत्र में टीवी के सीरियल्स और शो को कॉपी किया गया है। नंबर स्ट्रिप के जरिए ही मीडिया कंपनीज बेहद आसानी से उस जगह को ट्रैक कर लेती हैं, जहां बैठकर किसी टीवी शो रिकॉर्ड किया गया होता है। इसके बाद उन्हें उस व्यक्ति को ढूंढने में कोई मुश्किल नहीं होती जो पाइरेटिड कंटेट के लिए जिम्मेदार होता है।

घड़ियों का यह राज...

चाहे वो रोलेक्स घड़ी हो या टाइटन सबके विज्ञापन में हमेशा समय 10.10 ही होता है पर क्या कभी आपने सोचा है ऐसा क्यों होता है। यह कोई संयोग नहीं है इसके पीछे भी एक बहुत ही रोचक कारण हैं। अगर देखा जाए तो इस समय घड़ी की सूइयां जिस आकार में होती है वो हंसने की आकृति बनाती हैं जो एक बहुत ही सकारात्मक चिन्ह होता है। इससे पहले विज्ञापनों में 8.10 का समय इस्तेमाल किया जाता था मगर इस समय से जो आकृति बनती थी उसका मनोवैज्ञानिक असर गलत पड़ता था। कई कारणों में से एक कारण यह भी है की यह समय प्रथम दृष्टि में दिख जाता है ज्यादा ध्यान से देखने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती है। इस समय की वजह से ब्रांड नाम और घड़ी की अन्य विशेषताएं भी आसानी से दिख जाती है। एक और बात ध्यान देने योग्य है की इस समय के दौरान सेकेंड वाले कांटे को 35 सेकेंड पर रोक दिया जाता है। इसको इस तरह भी माना जाता है की यह आकृति वी आकर बनाती है जिसे जीत का आकार भी माना जाता है।

स्मार्टफोन के स्क्रैचेस से छुटकारा...?

अगर आपके स्मार्टफोन पर जरा सी भी खरोंच आ जाए तो आपको बहुत बुरा लगता होगा पर अब आपको किसी भी चीज का बुरा मानने की जरूरत नहीं ही क्योंकि अब आप अपनी स्क्रैच्ड स्क्रीन को घर पर ही ठीक कर सकते हैं। बेकिंग सोडा आपके फोन के स्क्रैच को ठीक कर सकता है। दो चम्मच बेकिंग सोडा में एक चम्मच पानी डालें और एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं। एक सूखे कपड़े में इस पेस्ट को लगा कर आराम से स्क्रीन पर घुमाइए और फिर देखिए कमाल। अपने स्क्रीन के स्क्रैच को ठीक करने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। स्क्रीन पर हल्के हाथ से टूथपेस्ट रगड़ें और चुटकियों में आपकी स्क्रीन से स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे। फोन की स्क्रीन टूट गई है तो क्रैक लाइन्स पर ट्रांसपैरेंट नेल पॉलिश लगाएं और थोड़ी देर बाद आपकी स्क्रीन फिक्स हो जाएगी। सैंडपेपर का इस्तेमाल आपको फोन से स्क्रैच से छुटकारा दिला सकता है। अच्छी क्वॉलिटी का सैंडपेपर अपने फोन की स्क्रीन पर हल्के हाथ से रगड़ें कुछ ही देर में सारे स्क्रैचेस गायब हो जाएंगे।

हजार फंदे, एक बरगद

निर्मल की मिट्टी में दफन वह क्रांति, जिसे इतिहास ने भुला दिया

1857 की आग जब आदिलाबाद के जंगलों तक पहुँची, तो रामजी गोंड ने अंग्रेजों और निजाम, दोनों को चुनौती दी। इसकी कीमत उन्होंने और उनके करीब एक हजार साथियों ने बरगद की डालियों पर चुकाई।

तेलंगाना के आदिलाबाद जिले का निर्मल कस्बा आज सामान्य दिनों में एक व्यस्त बाजार जैसा दिखाई देता है। खजाना तालाब के पास एक स्मारक स्तंभ खड़ा है। राह चलते बहुत कम लोग रुककर देखते हैं कि यहां कभी एक ऐसा बरगद था, जिसकी शाखाओं ने इतिहास का एक बेहद स्याह पन्ना अपने ऊपर झेला था।

तेलुगु लोकमानस उस पेड़ को 'वेय्यी उरला मर्री' कहता है, यानी हजार फांसियों का बरगद। लोकस्मृति के अनुसार, 9 अप्रैल 1860 को इसी पेड़ पर आदिवासी नायक रामजी गोंड और उनके करीब एक हजार साथियों को फांसी दी गई।

हमारी पाठ्य-पुस्तकों में 1857 का नाम आते ही झांसी, कानपुर, लखनऊ और दिल्ली की याद आती है। जंगलों और पहाड़ियों में लड़ी गई उस लड़ाई का जिक्र बहुत कम होता है, जिसमें धनुष-बाण और कुल्हाड़ियों वाले लोग तोपों के सामने डटे थे।

जंगल पर पहरा और पहरेदार पर टैक्स

यह कहानी उस दौर की है, जब हैदराबाद रियासत पर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की पकड़ लगातार कसती जा रही थी। आदिलाबाद के घने जंगल सागौन और दूसरी बहुमूल्य लकड़ियों का भंडार थे और अंग्रेजी हुकूमत की नजर इन्हीं पर थी।

सदियों से इन जंगलों में गोंड और कोलाम समुदाय रहते आए थे। जंगल उनके लिए संसाधन से कहीं बढ़कर घर, मंदिर और जीवन का आधार था। नई व्यवस्था ने इस रिश्ते को तोड़ना शुरू किया। पारंपरिक अधिकार छिनने लगे, मनमाने कर थोपे गए और जिस जमीन के वे पीढ़ियों से रखवाले थे, वहीं वे पराए बना दिए गए।

गुस्सा धीरे-धीरे सुलग रहा था। उसे दिशा दी रामजी गोंड ने। गोंडवाना की गौरवशाली विरासत से प्रेरित इस नायक ने बिखरे हुए आदिवासी समुदायों को एक सूत्र में पिरोया और अंग्रेजों तथा निजाम की शोषक व्यवस्था के खिलाफ हथियार उठाने का ऐलान कर दिया।

जब उत्तर की चिंगारी दक्षिण तक पहुंची

1857 में उत्तर भारत में विद्रोह की लपटें उठीं तो उनकी तपिश दक्कन तक महसूस की गई। लोकस्मृति और कई स्थानीय वृत्तांतों में इस आंदोलन को तांत्या टोपे जैसे नायकों की राष्ट्रीय क्रांति से जोड़ा जाता है। इससे रामजी गोंड का संघर्ष स्थानीय असंतोष से आगे बढ़कर एक व्यापक स्वतंत्रता-संग्राम का हिस्सा बन गया।

आदिलाबाद की दुर्गम पहाड़ियां और घने जंगल उनके सबसे बड़े सहयोगी थे। रामजी गोंड जानते थे कि खुले मैदान में आधुनिक बंदूकों और तोपों से सीधी टक्कर आत्मघाती होगी। इसलिए उन्होंने वही रणनीति चुनी, जो जंगल के बेटे ही चुन सकते थेछापामार युद्ध।

धनुष-बाण, भाले और कुल्हाड़ियों से लैस उनके योद्धा अचानक निकलते, अंग्रेजी रसद और चौकियों पर धावा बोलते और फिर जंगल की हरियाली में ओझल हो जाते। निर्मल, आसिफाबाद, चिंचोली और बासर तक इस विद्रोह का असर फैलता गया।

निर्मल का रणक्षेत्र

अंग्रेजों और निजाम के लिए यह विद्रोह उनकी सत्ता को सीधी चुनौती था। एक बड़ी संयुक्त सैन्य टुकड़ी निर्मल की ओर रवाना की गई। स्थानीय इतिहास में इसकी कमान एक अंग्रेज अधिकारी कर्नल रॉबर्ट्स के हाथों में बताई जाती है।

निर्मल के मैदानों में जो जंग हुई, उसमें दोनों पक्षों के बीच का फर्क साफ था। एक तरफ अनुशासित सेना थी, जिसके पास बंदूकें और तोपें थीं। दूसरी तरफ वे आदिवासी थे, जिनके पास अपनी धरती के लिए मर-मिटने का जज्बा था और पारंपरिक हथियार थे।

साहस में गोंड योद्धा किसी से कम नहीं थे, लेकिन गोलाबारी के सामने उनके हथियार टिक नहीं सके। बहुत से योद्धा रणभूमि में ही वीरगति को प्राप्त हुए और रामजी गोंड अपने साथियों समेत पकड़ लिए गए।

9 अप्रैल 1860: बरगद की डालियों पर लिखा गया इतिहास

बगावत कुचली जा चुकी थी, लेकिन हुक्मरानों का मकसद सिर्फ जीत नहीं था। वे ऐसा सबक देना चाहते थे कि आने वाली पीढ़ियां सिर उठाने की सोच भी न सकें।

निर्मल के बाहरी इलाके में, आज के खजाना तालाब के पास, एक विशाल बरगद था। उसकी मजबूत शाखाएं इस क्रूरता की गवाह बनने के लिए चुनी गईं। 9 अप्रैल 1860 को रामजी गोंड और उनके हजारों नहीं तो सैकड़ों-हजार साथियों की परंपरा में दर्ज संख्या के अनुसार करीब एक हजार क्रांतिकारियों को एक साथ उन्हीं डालियों से लटका दिया गया।

बताया जाता है कि शवों को कई दिनों तक वहीं लटकने दिया गया, ताकि दहशत दूर-दूर तक फैले।

तेलुगु में 'वेय्यी' का अर्थ है हजार, 'उरी' का अर्थ है फांसी और 'मर्री' का अर्थ है बरगद। लोगों ने उस पेड़ को यही नाम दे दिया और यह नाम पीढ़ी-दर-पीढ़ी दोहराया जाता रहा।

भय जिसे स्मृति में बदल दिया गया

अंग्रेजों की योजना थी कि यह स्थान खौफ का प्रतीक बने। इतिहास ने उलटा किया। वह जगह आदिवासी स्वाभिमान की सबसे पवित्र प्रेरणा-स्थली बन गई।

इस बलिदान की गूंज दशकों तक तेलंगाना के आदिवासी अंचल में सुनाई देती रही। बीसवीं सदी में जब कोमाराम भीम ने जल, जंगल, जमीन का नारा बुलंद किया और आसिफाबाद के जंगलों में निजाम की हुकूमत को चुनौती दी, तो उस संघर्ष की जड़ें रामजी गोंड जैसे पुरखों की विरासत में ही थीं।

समय के साथ वह ऐतिहासिक बरगद गिर गया। आज उसकी जगह एक स्मारक स्तंभ खड़ा है। तेलंगाना में रामजी गोंड और 'वेय्यी उरला मर्री' के शहीदों की स्मृति को सहेजने के प्रयास भी हुए हैं, जिनमें हैदराबाद में स्थापित स्मारक और संग्रहालय शामिल हैं।

इतिहास के हाशिये से मुख्यधारा तक

सवाल यह है कि क्या इतना काफी है? स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास अब तक ज्यादातर बड़े शहरों, प्रसिद्ध युद्धों और चर्चित नामों के इर्द-गिर्द लिखा गया है। पर आजादी की भावना सिर्फ राजमहलों और राजनीतिक केंद्रों में नहीं जन्मी थी। वह जंगलों की पगडंडियों, आदिवासी बस्तियों और साधारण लोगों के दिलों में भी उतनी ही प्रबल थी।

रामजी गोंड इसलिए केवल तेलंगाना के आदिवासी नायक नहीं हैं। वे भारत के उस व्यापक प्रतिरोध की परंपरा के प्रतिनिधि हैं, जिसमें अनगिनत ज्ञात-अज्ञात लोगों ने अपनी धरती और अपने अधिकारों के लिए जान दी।

'वेय्यी उरला मर्री' की कहानी हमें याद दिलाती है कि शरीर को समाप्त किया जा सकता है, पर स्वाभिमान, स्वतंत्रता और बलिदान की स्मृति को मिटाना आसान नहीं होता। भारत की आजादी की नींव में उन आदिवासी वीरों का रक्त भी उतना ही शामिल है, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

निर्मल का वह स्तंभ आज भी खड़ा है और पूछता है कि क्या हमने उन हजार नामों को इतिहास में उनकी जगह दे दी है?

–महेश अग्रवाल
प्राचार्य, इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म (हिंदी)

मैटेलिक कलर्स का क्रेज...

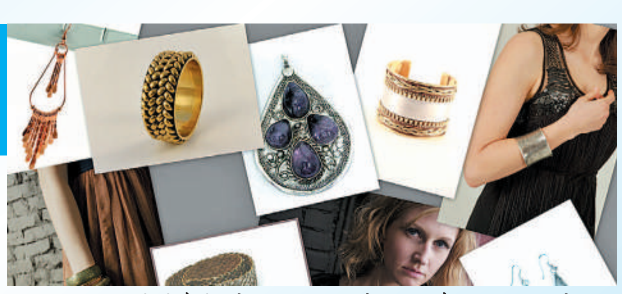

कुछ ट्रेंड्स और स्टाइल ऐसे होते हैं जो कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होते। हम जब चाहे इन्हें अप्लाई कर सकते हैं और भीड़ में भी सबसे अलग लग सकते हैं। फैशन से कभी भी आउट न होने वाले कलर्स में मैटेलिक कलर्स भी शामिल हैं। इनका टैक्सचर यानी शाइनी और डल फिनिश आप अपने अकॉर्डिंग सेलेक्ट कर सकती हैं। हर पैटर्न की ड्रैस इन कलर्स में खिल उठती है। आपको किसी पार्टी में जाना हो और आप डिफरेंट दिखना चाहती हैं तो मैटेलिक ड्रैस एकदम परफैक्ट है।

वनपीस ड्रैसेस और गाउन

मैटेलिक टच में वनपीस ड्रैसेस और गाउन इन दिनों हॉटैस्ट फैशन ट्रैंड बने हुए हैं। फैशन डिजाइनर्स का कहना है कि गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉन्ज, ग्रे जैसे मैटेलिक कलर्स में ड्रैसेस विंटर सीजन में ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। पैंट्स से लेकर स्कर्ट्स तक में इन्हीं कलर्स का यूज किया जा रहा है। मैटेलिक का मतलब यह नहीं है कि वो बहुत ग्लिटरी ही हों। आप ऐसी ड्रैसेस भी सलेक्ट कर सकती हैं जो मैटेलिक तो हों पर डल फिनिश में हों। इन्हें दिन में भी आसानी से कैरी किया जा सकता है। इनके साथ ग्लिटरिंग जरूर कैरी की जा सकती हैं।

मैटेलिक गाउन

बिना किसी डिटेलिंग के प्लेन मैटेलिक शाइन गाउन के साथ सिंपल, सोबर और स्टाइलिश दिखा जा सकता है। डिटेलिंग के साथ फ्रंट स्लिट वन ऑफ शॉल्डर गाउन आपको ग्लैमरस और सैक्सी लुक देगा। सिल्वर कलर पर सिल्वर और डल गोल्ड एम्ब्राइड्री, गाउन के लुक को और भी आकर्षक बना देगी। मैटेलिक गाउन के साथ सिर्फ ईयररिंग्स कैरी करना ही सफिशिएंट होगा।

लाइनिंग वनपीस

मैटेलिक लुक के साथ लाइनिंग वनपीस ड्रेस बहुत सुंदर लगती है। मैटेलिक सिल्वर और गोल्डन वनपीस ड्रैसेस के साथ चेस्टफील्ड कोट और हंटर कोट का कॉम्बिनेशन भी बढ़िया लगता है। इसके साथ सिर्फ लाइट वेट ज्वैलरी कैरी करना सफिशिएंट रहेगा।

एक्सेसरीज भी

अपने लुक को ग्लैमराइज करने के लिए सिर्फ ड्रैसेस ही नहीं बल्कि मैटेलिक कलर की बैल्ट्स, ज्वैलरी, हैंडबैग्स और यहां तक कि शूज भी सेलेक्ट कर सकती हैं। मैटेलिक कलर के आउटफिट्स को हमेशा न्यूट्रल शेड्स जैसे बेज, ग्रे, व्हाइट, ब्लैक के साथ टीमअप करें और एक्सेसरी भी न्यूट्रल कलर की ही कैरी करें। नाइट आउट के लिए ब्लैक, ब्लू या दूसरे डार्क शेड्स सलेक्ट कर सकती हैं। बहुत ज्यादा शाइन आपको ओवरशाइनी दिखा सकता है, लेकिन एक बैलेंस्ड शाइन से आप सैंटर ऑफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। मैटेलिक आउटफिट्स के साथ मेकअप को भी कम से कम ही रखने की कोशिश करें।

सावधानी जरूरी

मैटेलिक कलर्स के साथ थोड़ा केयरफुली प्ले करना पड़ेगा आपको, क्योंकि अगर आपसे थोड़ी-सी भी गलती हो गई तो ये ट्रैंड आपके लिए बहुत बड़ा ब्लंडर भी साबित हो सकता है। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप किसी भी तरह की मिस्टेक से आसानी से बच सकती हैं। खुद को मैटेलिक कलर्स से कवर करने की गलती कभी ना करें। टॉप और बॉटम में से किसी एक को ही इस फैब्रिक में पिक करें। टॉप अगर मैटेलिक हो तो अपने ट्राउजर्स या स्कर्ट्स को प्लेन रखें। गोल्ड और ब्राउन या ब्लैक कलर की मैसी शेड्स स्कर्ट के साथ प्लेन ब्लैक या ब्राउन सैंडो टॉप काफी फबती है। अगर बॉटम मैटेलिक कलर्स में है तो लाइट ज्वैलरी ही कैरी करनी चाहिए।

जिज्ञासा

क्या है सायक्लोन

बच्चो, जब तेज हवाएं चलती हैं, तो आपने देखा होगा कि कई जगह हवा के साथ गोल-गोल घेरे बन जाते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि इन घेरों को वैज्ञानिक भाषा में क्या कहा जाता है और धरती व पानी में बनने वाले इन चक्रवातों में क्या अंतर है?

अलग-अलग जगहों पर बनने वाले इन घेरों को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। असल में हवा जब तूफानी तरीके से घेरा बनाकर चलती है, तो उसे सायक्लोन कहते हैं। यह घेरेदार तूफान अपने बीच पड़ने वाली सारी चीजों को उलट-पलटकर रख देता है। अब सायक्लोन भारत के तटीय प्रदेशों के किनारों से उठने वाले तूफान के लिए उपयोग में लाया जाता है। हरिकेन और टायफून भी इसी तरह के तूफान के लिए प्रयोग में आते हैं बस जगह का अंतर है। फ्लोरिडा के तट से उठने वाला तूफान हरिकेन कहलाता है, जबकि फिलीपीन्स के तट पर आकर यह टायफून हो जाता है। हरिकेन अटलांटिक महासागर से उठता है और टायफून प्रशांत से। हरिकेन और टायफून जलीय तूफान है, जो पानी की सतह से उठते हैं, वहीं दूसरी ओर टोरनेडो जमीन पर उठने वाले तूफान को कहते हैं। वैसे हर तूफान अपने साथ बर्बादी लाता है, फिर भी हरिकेन और टायफून के मुकाबले, टोरनेडो कम बर्बादी मचाता है। अमरीका में टोरनेडो को बोलचाल की भाषा में ट्विस्टर कहते हैं।

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी वि टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वल्ड्र्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

- एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।
- 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।
- फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।
- डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।
- साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।
- ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।
- पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।
- 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।
- ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।
- स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।
- राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण क़रीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक प्रपात के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं।

पत्थर पर उकेरे गए जीवन के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हजार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

सबसे बड़ी पुस्तक

म्यांमार देश में पत्थर से बनी एक विशाल पुस्तक है। यह संगमरमर से बनी हुई है। माली भाषा में लिखी इस पुस्तक में कुल 1460 पन्ने हैं। प्रत्येक पेज की लंबाई 5 फुट, चौड़ाई 3.5 तथा मोटाई आधा फुट है।

कंप्यूटर की-बोर्ड बनाने वाला

कंप्यूटर कीबोर्ड के अक्षरों की सैटिंग क्वार्टी यानी QWERTY ने की थी। अपने कंप्यूटर कीबोर्ड पर नजर डालिए। अंग्रेजी अक्षरों की पहली पक्ति के पहले छह अक्षर यही हैं।

रास्ता ढूंढो

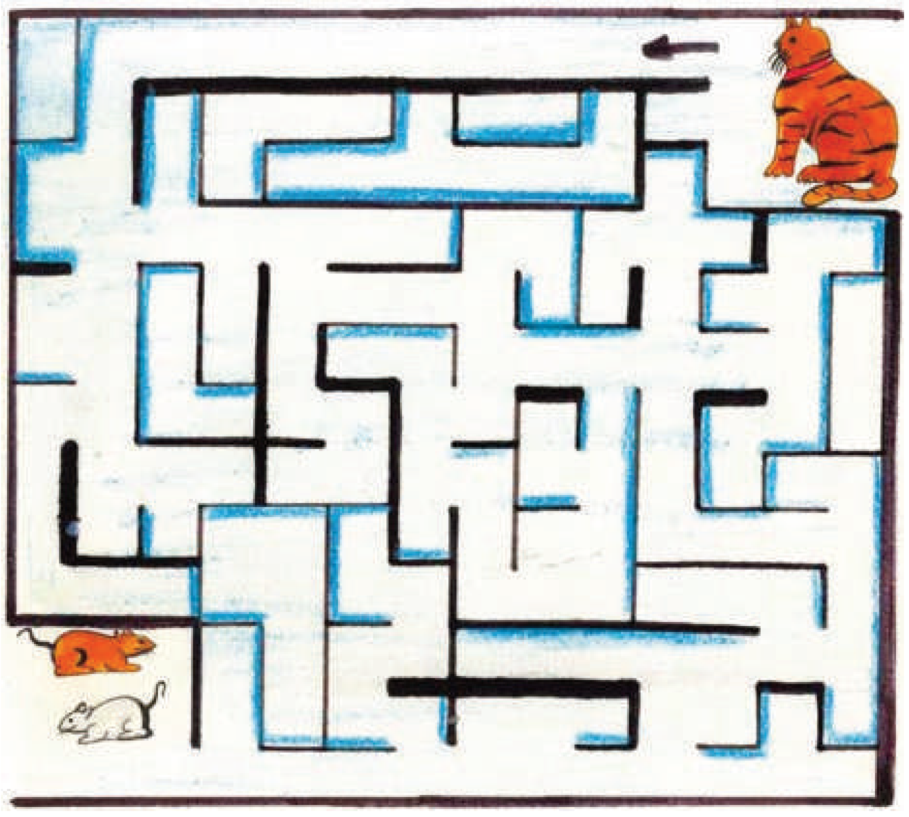

हम बताएं, आप बनाएं

किसने बनाई कुतुबमीनार

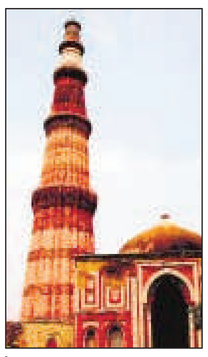

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

लघुकथाएँ

बहुरूपिया

काले भैंसे पर बैठे सजे-धजे यमराज ने मेरे दरवाजे पर जोर से आवाज लगाई, 'खबरदार मैं तुझे लेने आया हूँ। तेरी जान लूँगा।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। अभी मैं स्वस्थ और जवान हूँ।'

वह बोला- 'तेरी माँ को ले जाता हूँ। वह बूढ़ी है?'

मैंने कहा- 'नहीं ले जाने दूँगा। उसे नाती-पोते का ब्याह, देखना है।'

वह बोला- 'तो पाँच सौ का नोट निकाल।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

वो बोला 'चल महीने का आखरी दिन है, पचास का ही नोट दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा।'

फिर बोला- 'ला एक कटोरी देशी घी दे दे।'

मैंने कहा- 'नहीं दूँगा। इससे तो अच्छा मेरी जान ही ले लो।'

यमराज बोले- 'जान लेने से मेरा पेट नहीं भरेगा। अच्छा तो एक कटोरी आटा ही दे दे।'

तब मैंने कहा- 'अभी लाता हूँ' और मेरे आटा देते ही वह बहुरूपिया दुआ देकर अगले घर को चला गया।

जीप का प्रचलन कैसे हुआ ?

बच्चो, किसी चीज का नाम कैसे पड़ता है, यह जानना अपने आप में बहुत रौचक है। कई ऐसे शब्द हैं, जिनका प्रचनल बस यूं ही खेल-खेल में हो गया। आज हम आपको ऐसे शब्द के बारे में बताने लगे हैं, जो आपने अक्सर सुना होगा। सुना ही नहीं आपने इसे देखा भी होगा। यह शब्द है'जीप'। युवाओं की यह पसंदीदा सवारी मानी जाती है। यह शब्द कैसे अस्तित्व में आया, आइए जानें-

इसके प्रचलन में आने में कई रोचक बातें शामिल हैं। यह शब्द सबसे पहले अमरीका में प्रयोग किया गया।

जीप यानी ऐसी गाड़ी, जो आज से पहले सबसे अधिक दिखने वाले वाहनों में आती थी और जिसे आज भी लोग तथा सेना में फौजियों और सामान को लाने ले जाने में प्रयोग किया जाता है। मगर फौजियों को ढोने से पहले इसके बारे में कई रोचक बातें भी प्रचलित हुईं। जब यह अजीब-सा बक्सानुमा वाहन अपनी उत्पत्ति के दौर से गुज़र रहा था उसी दौरान यह शब्द 'जीप' अपने नए-नए अर्थों में सामने आ रहा था।

चार पहियों वाली इस आधा टन भारी गाड़ी को अमरीकी फौज के खास उद्देश्य के लिए सितंबर 1940 में तैयार किया गया, लेकिन इस के डिजाइन की तैयारी और इसके नाम की शुरुआत 30 के दशक में ही शुरू हो चुकी थी। वास्तव में इसी तरह की एक गाड़ी का डिजाइन एक टैंक कैप्टेन ने 1932 में तैयार किया था, लेकिन उसने उसका कोई नाम नहीं रखा था। उसके बाद से इस पूरे दशक में इसकी तैयारी में कम से कम तीन विभिन्न निर्माता शामिल रहे। इसी बीच शब्द जीप भी अपने विकास के चरणों से गुजरता रहा। पहले-पहल फौजी शब्दावली में इसका अर्थ 'रंगरूट' लिया गया, फिर इसे एक बेढ़ब और अनुपयुक्त या न फिट होने वाले कोट के अर्थ में लिया जाने लगा, और फिर इसे थोड़े दिनों तक पाइलटों के सहप्रशिक्ष को के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

उसी जमाने में 16 मार्च 1936 में 'यूजीन दी जीप' (Eugene the Jeep) का पात्र पोपाइ कॉमिक्स (Popeye Comics) में शामिल किया गया। यह पात्र यूजीन देखने में यूं तो छोटा था, लेकिन वह बहुत शक्तिशाली प्राणी था, जोकि 'जीप जीप' चिल्लाया करता था। शब्द जीप की इस पृष्ठभूमि और इसके विभिन्न अर्थों में प्रयोग ने फौजी और आम जनता के इस नए वाहन को जीप का नाम दे दिया, जोकि आने वाली नई नस्ल के लिए दुनिया भर में एक ही अर्थ में प्रयोग होने वाला शब्द बन गया। दूसरे विश्व-युद्ध में अमरीकी फौजियों ने जीप और उसके अर्थ को पूरे विश्व में फैला दिया। विश्व-युद्ध के बाद जीप ने सामान्य नागरिक में अपनी पकड़ बनाई और इस डब्बे-नुमा चार पहिया वाहन (जो चारों ओर से खुला हुआ होता था) का सामान्य और जोखिम भरे कार्यों के लिए प्रयोग होने लगा। आज यह गाड़ी बहुत पसंद की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर भारी कामों और दुर्गम रास्तों पर अधिक होता है।

एशियाड में भारत का शानदार समापन, 21 स्वर्ण के साथ 85 पदक

2023 में 28 स्वर्ण सहित 106 पदक जीते थे, इस बार पदक तालिका में चौथा स्थान

आईची–नागोया। एशियाई खेलों में भारत ने 21वां स्वर्ण पदक जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5–1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में अपना अभियान 21 स्वर्ण सहित कुल 85 पदकों के साथ समाप्त किया और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। शनिवार को भारत ने पुरुष क्रिकेट, तीरंदाजी, गोल्फ और कुश्ती में भी एक–एक स्वर्ण पदक जीता। भारत ने इस बार 21 स्वर्ण सहित कुल 85 पदक जीते। यह एशियाई खेलों में भारत का अब तक का दूसरा सर्वश्रेष्ठ पदक प्रदर्शन है। 2023 में भारत ने 28 स्वर्ण सहित कुल 106 पदक जीते थे। इस बार भारत के खाते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक रहे।

एशियन गेम्स 2026: मेडल टेबल

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	167	89	82	338
2	जापान	82	90	90	262
3	साउथ कोरिया	37	43	67	147
4	भारत	21	27	37	85
5	उज्बेकिस्तान	21	25	24	70
6	ईरान	18	18	15	51
7	थाईलैंड	18	13	21	52
8	कजाकिस्तान	12	24	46	82
9	हॉन्ग कॉन्ग, चीन	11	19	24	54
10	बहरीन	11	5	6	22

हांगझोउ का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाया भारत

भारत का 85 पदकों का आंकड़ा एशियाई खेलों में उसका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पदक प्रदर्शन है। हांगझोउ 2023 में करीब 650 खिलाड़ियों के दल ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल थे। आइची–नागोया में एथलेटिक्स भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक दिलाने वाला खेल रहा, जिसमें 24 पदक मिले। निशानेबाजी में भारत ने 15 पदक जीते, जिनमें तीन स्वर्ण शामिल हैं। स्वर्ण पदकों के मामले में तीरंदाजी सबसे आगे रही, जहां भारत ने पांच स्वर्ण पदक जीते। मुक्केबाजी में भी भारत ने तीन स्वर्ण अपने नाम किए।

मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। वह 2014 इंचियोन एशियाई खेलों में मैरी कॉम के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। कुश्ती में अमन सहरावत और सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीते।

टीम खेलों में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने अपने खिताब का बचाव किया। पुरुष टीम ने फाइनल में पाकिस्तान और महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का इंतजार खत्म करते हुए एशियाई खेलों का खिताब अपने नाम किया।

भारत के कई खिलाड़ियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में गोल्फ का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वहीं 17 वर्षीय कुमकुम महोद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। कुमकुम ने अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा के साथ महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। यह एशियाई खेलों में भारतीय महिलाओं का टीम रिकर्व वर्ग का पहला स्वर्ण रहा।

भारत की नीरू धांडा ने महिला ट्रैप स्पर्धा में प्रतियोगिता का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम और सुरूची सिंह ने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर एशियाई रिकॉर्ड की बराबरी की।

एथलेटिक्स में विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में यशवीर सिंह ने रजत और रोहित यादव ने कांस्य पदक जीता। सावन बरवाल ने मैराथन में 1982 के बाद भारत को पहला पदक दिलाया और इसी दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया।

सरवेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में भारत के 56 साल के पदक सूखे को खत्म किया। बरानिका एलंगोवन एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पोल वॉल्टर बनीं। भारत ने कई अन्य खेलों में भी पहली बार पदक जीते। सुचिका तारियाल ने मिश्रित मार्शल आर्ट में एशियाई खेलों में भारत का पहला पदक हासिल किया, जबकि जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में सेमीफाइनल में पहुंचकर देश को इस खेल में पहला पदक दिलाया।

मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। यह एशियाई खेलों में उनका पहला पदक था। रोशिबिना देवी ने वुशु में लगातार तीसरा महाद्वीपीय पदक जीता। वहीं सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10,000 मीटर स्पर्धा में 16 साल के पदक सूखे को समाप्त किया।

अनाहत सिंह ने एशियाई खेलों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रचा। अनाहत सिंह और अभय सिंह दोनों अपने–अपने एकल फाइनल में हारकर स्वर्ण पदक से चूक गए।

भारत ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए तीरंदाजी और हॉकी में कोटा भी हासिल किया। आइची–नागोया में सात खेलोंतीरंदाजी, हॉकी, नौकायन, स्क्वैश, सर्फिंग, टेनिस और ट्रायथलॉनमें ओलंपिक कोटा दांव पर थे। भारत ने पुरुष और महिला हॉकी के साथ–साथ तीरंदाजी की मिश्रित टीम कंपाउंड और महिला व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धाओं में कोटा हासिल कर अपने एशियाई खेल अभियान को ओलंपिक से भी जोड़ दिया। पुरुष हॉकी में स्वर्ण जीतने के साथ भारत ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे प्रवेश का स्थान भी हासिल किया।

दो अक्टूबर का दिन रहा सबसे बेहतरीन

भारत का सबसे शानदार प्रदर्शन शुक्रवार को रहा, जब उसने छह स्वर्ण सहित कुल 12 पदक जीते। इनमें क्रिकेट और हॉकी के स्वर्ण पदक शामिल थे। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अमन सहरावत, कुमकुम अनिल महोद और गोल्फर प्रणवी उर्स ने स्वर्ण पदक जीते।

पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक बरकरार रखा। कुमकुम अनिल महोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। अमन सहरावत ने कुश्ती में स्वर्ण, अंतिम पंघाल ने रजत और दीपक पूनिया ने कांस्य पदक जीता।

प्रणवी शरत उर्स ने महिला व्यक्तिगत गोल्फ में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा, जबकि भारतीय महिला टीम ने रजत पदक हासिल किया। नीरज चौहान ने कांस्य पदक जीतकर गोल्फ में भारत के लिए ऑल–इंडियन पोडियम भी पूरा किया।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट क्रिकेट सबसे अधिक समय कप्तानी का रिकार्ड है स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम

जोहांसबर्ग। टेस्ट क्रिकेट में सबसे लंबे समय तक कप्तानी करने के साथ ही रिकार्ड प्रदर्शन की उपलब्धि भी कई खिलाड़ियों के नाम है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ इस मामले में पहले नंबर पर हैं ।स्मिथ ने साल 2003 से 2014 के बीच रिकार्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की। स्मिथ ने एक युवा और बिखरी हुई टीम को विश्व की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में से एक में तब्दील कर दिया। उनके नेतृत्व में टीम ने कई ऊंचाइयां हासिल कीं, हालांकि इस दौरान उन्हें 29 टेस्ट मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा। उनका यह अद्वितीय रिकार्ड पिछले 12 सालों से कोई भी तोड़ नहीं पाया है। स्मिथ के बाद सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वाले बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग दूसरे स्थान पर हैं। फ्लेमिंग ने 1997 से 2006 के बीच 80 टेस्ट मैचों में कीवी टीम की कमान संभाली, जिसमें उनकी टीम को 27 में हार मिली। अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले फ्लेमिंग ने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित कुल 1589 रन बनाए। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने 2017 से 2022 तक 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की, जिससे वह तीसरे सबसे लंबे समय तक कप्तान रहे। यह वह दौर था जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी और रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। उनके कप्तानी कार्यकाल में इंग्लैंड को 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था।

एशियन खेल 2026: नीरज ने धीरज बोम्मदेवरा को हराकर पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता कांस्य

आइची–नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों की पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया है। कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में नीरज ने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6–4 से हराया। इसके साथ ही नीरज व्यक्तिगत रिकर्व में पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए। दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले सेट में धीरज ने 7, 9 और 10 अंक हासिल किए, जबकि नीरज ने 10, 9 और 10 अंक जुटाए। नीरज ने यह सेट 29–26 से जीतकर 2–0 की बढ़त बनाई। दूसरे सेट में धीरज ने शानदार वापसी की। उन्होंने 8, 10 और 10 अंक हासिल किए, जबकि नीरज 10, 8 और 9 अंक ही जुटा सके। धीरज ने यह सेट 28–27 से जीतकर मुकाबला 2–2 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में दोनों तीरंदाजों ने शुरुआत में 10–10 अंक और फिर 9–9 अंक हासिल किए। धीरज ने अंतिम तीर पर 10 अंक लगाए, जबकि नीरज 9 अंक ही हासिल कर सके। धीरज ने 29–28 से सेट जीतकर 4–2 की बढ़त बना ली। इसके बाद नीरज ने जोरदार वापसी की। चौथे सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 अंक हासिल किए और कुल 30 अंक बनाए। धीरज ने 9, 9 और 10 अंक के साथ 28 अंक जुटाए। नीरज ने यह सेट 30–28 से जीतकर मुकाबला 4–4 से बराबर कर दिया।

रोनाल्डो बोले, प्रशिक्षण शिविर छोड़ने के कारणों का खुलासा समय आने पर करेंगे

कोपेनहेगन। पुर्तगाल फुटबाल में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी कारण टीम के कप्तान और स्टार

कुमकुम मोहोद ने रचा इतिहास, एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

ओकाजाकी

भारत की 17 वर्षीय तीरंदाज कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में इतिहास रच दिया। कुमकुम ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले में दक्षिण कोरिया की ओ येजिन को शूट-आफ में 6-5 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही वह एशियाई खेलों में रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उनकी इस जीत से भारत को लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी मिला। दोनों तीरंदाजों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और पांच सेट के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था। स्वर्ण पदक का फैसला एक तीर के शूट-आफ से हुआ। ओ येजिन ने 8 अंक का निशाना लगाया, जबकि कुमकुम ने दबाव के बीच शानदार 10 अंक हासिल कर ऐतिहासिक स्वर्ण अपने नाम कर लिया। दोनों फाइनलिस्ट ने अपने-अपने देशों के लिए लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक का एक-एक व्यक्तिगत कोटा स्थान भी हासिल किया।

फाइनल में कुमकुम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओ येजिन ने पहला सेट 29–27 से जीतकर 2–0 की बढ़त बना ली। दूसरा सेट 29–29 से बराबर रहने के बाद दक्षिण कोरियाई तीरंदाज 3–1 से आगे थी।

इसके बाद कुमकुम ने शानदार वापसी की। तीसरे सेट में उन्होंने लगातार तीन 10 के साथ 30 अंक का परफेक्ट स्कोर बनाया, जबकि ओ येजिन 29 अंक ही हासिल कर सकीं। कुमकुम ने सेट जीतकर स्कोर 3–3 कर दिया।

चौथे सेट में ओ येजिन ने 28–27 से जीत दर्ज करते हुए 5–3 की बढ़त बना ली और खिताब से सिर्फ एक सेट दूर पहुंच गईं। हालांकि कुमकुम ने दबाव में शानदार धैर्य दिखाया। निर्णायक पांचवें सेट में उन्होंने तीनों तीरों पर 10–10 अंक हासिल कर 30 का परफेक्ट स्कोर बनाया। ओ येजिन 28 अंक ही जुटा सकीं और मुकाबला 5–5 की बराबरी पर पहुंच गया।

इसके बाद शूट–आफ में कुमकुम ने 10 अंक का निशाना लगाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया।

कुमकुम ने इस एशियाई खेलों में अपने पदार्पण पर ही शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने महिला टीम रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण था। इसके बाद मिश्रित टीम रिकर्व में उन्होंने रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक था। अब महिला व्यक्तिगत रिकर्व में स्वर्ण जीतकर उन्होंने तीसरी बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

कुमकुम ने व्यक्तिगत स्पर्धा के रैंकिंग राउंड में 10वें स्थान पर रहते हुए शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की मौजूदा विश्व चैंपियन और ओलंपिक टीम स्वर्ण पदक विजेता कांग चेयान्ग को हराया। सेमीफाइनल में उन्होंने चीन की जिंगयी झू को 6–2 से मात दी। झू 2025 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता थीं। इस जीत के साथ कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं।

अब उन्होंने एक कदम और आगे बढ़ते हुए इस स्पर्धा का स्वर्ण भी अपने नाम कर लिया और एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के कांस्य पदक मुकाबले में चीन की हुआंग यूवेई ने अपनी हमवतन जिंगयी झू को 6–4 से हराकर कांस्य पदक जीता।

कुमकुम के एशियाई खेलों के पदक:

- **स्वर्ण:** महिला रिकर्व टीम
- **स्वर्ण:** महिला रिकर्व व्यक्तिगत
- **रजत:** मिश्रित टीम रिकर्व।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में ये हो सकती है भारत की 15 सदस्यीय टीम

दुबई

दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम को छह बार के चैंपियन आस्ट्रेलिया के अलावा, चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के अलावा सह–मेजबान जिम्बाब्वे का सामना करना होगा। सुपर–7 स्टेज तक पहुंचने की कठिन राह को देखते हुए भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी जगह मिल सकती है।

इसके तहत ही शीर्ष क्रम की बात करें तो उसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल की जगह लगभग पक्की है। इनपर टीम को मजबूत शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी बैकअप विकल्प के तौर पर यशस्वी जायसवाल को दल में शामिल किया जा सकता है। जायसवाल को भविष्य के सलामी बल्लेबाज के तौर पर देखा जा रहा है, और आगामी सभी एकदिवसीय सीरीज में उनकी लगातार उपस्थिति 2027 विश्व कप के लिए उनकी दावेदारी को मजबूत करेगी। वहीं मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर का नंबर–4 का स्थान मजबूत दिख रहा है। इस बल्लेबाजी क्रम पर अय्यर के पास काफी अनुभव है, और उन्होंने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 2000 से अधिक रन बनाए हैं। वहीं, विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल रहेंगे। वह पांचवें क्रम पर बल्लेबाज करेंगे। मिडिल आर्डर को और मजबूत करने और एक बैकअप विकेटकीपर के विकल्प के रूप में ऋषभ पंत का चयन भी हो सकता है। ये तभी होगा जब वह अपनी चोट से वापसी के बाद लय हासिल कर लेते हैं।

आलराउंडरों के तौर पर युवा नितीश कुमार रेड्डी और हार्दिक पांड्या दोनों को विश्व कप स्क्वाड में जगह मिल सकती है। स्पिन गेंदबाजी आलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा अपनी अहम भूमिका निभाते हुए दिखेंगे, जबकि वाशिंगटन सुंदर को बैकअप स्पिन आलराउंडर के रूप में अफ्रीका ले जाया जा सकता है, जो पिचों की प्रकृति के अनुसार उपयोगी साबित हो सकते हैं।

वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में, जसप्रीत बुमराह भारत के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे होंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज और युवा हर्षित राणा को स्क्वाड में जगह मिल सकती है। हर्षित राणा पिछले कुछ महीनों से चोटिल चल रहे हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर उनकी लंबाई, खतरनाक गति और उछाल प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

एकदिवसीय क्रिकेट में एसोसिएट टीमों के इन विकेटकीपरों ने अपने प्रदर्शन से बनाये हैं रिकार्ड

मुम्बई। क्रिकेट के मैदान पर विकेटकीपर की भूमिका बेहद अहम रहती है। विकेटकीपर एकसाथ कई जिम्मेदारियां निभाते हैं। गेंदबाजों को अपनी सलाह देने के के साथ ही वह बल्लेबाजी में भी अहम भूमिका निभाते हैं। एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में जब बात एक पूरी सीरीज के दौरान सबसे ज्यादा शिकार करने की आती है, तो एसोसिएट टीमों के कुछ विकेटकीपरों ने अपने असाधारण प्रदर्शन से अनोखे रिकार्ड बनाये हैं। इन खिलाड़ियों ने न केवल अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि विकेट के पीछे अपनी उपस्थिति से पूरी सीरीज पर अपनी छाप छोड़ी। इस सूची में सबसे ऊपर एसोसिएट टीम संयुक्त राज्य अमेरिका के विकेटकीपर समित पटेल हैं। समित ने आईसीसी टी20 विश्वकप में शानदार विकेटकीपिंग का प्रदर्शन करते हुए 27 मैचों की 24 पारियों में कुल 37 शिकार किए, जिसमें कैच और स्टंपिंग दोनों शामिल थीं। एक पारी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6 शिकार का रहा। उनका प्रति पारी शिकार का औसत) 1.541 रहा, जो यह साबित करता है कि वह पूरे टूर्नामेंट में कितनी निरंतरता और सक्रियता के साथ खेले। उनकी यह उपलब्धि एक विकेटकीपर के रूप में उनकी प्रतिबद्धता और कौशल को दर्शाती है। वहीं नीदरलैंड्स के कप्तान और विकेटकीपर स्काट एडवर्ड्स ने भी अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने 29 मैचों की 27 पारियों में कुल 28 शिकार (24 कैच और 4 स्टंपिंग) किए, जिससे उनकी निरंतरता और नेतृत्व क्षमता उजागर हुई। उनका प्रति पारी औसत 1.037 रहा।

श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को हराकर जीता कांस्य

निशिन

श्रीलंका ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 63 रन से हराकर एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट का कांस्य पदक जीत लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका के एशियाई खेलों के पदकों की संख्या तीन हो गई है।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम पांच ओवर के अंदर 21 रन पर चार विकेट गंवा बैठी। बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों ने पिच से मिल रही टर्न और उछाल का भरपूर फायदा उठाया और श्रीलंकाई बल्लेबाजी पर दबाव बना दिया।

इसके बाद सहान अराचिगे और अशेन बंडारा ने पारी को संभाला। हालांकि असली बदलाव थारिंदु रत्नायके के आने के बाद आया। रत्नायके ने महज 32 गेंदों पर सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन की तूफानी पारी खेली। उनके आक्रामक बल्लेबाजी ने श्रीलंका को 51 रन पर चार विकेट की मुश्किल स्थिति से उबारकर 20 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन तक पहुंचाया।

अराचिगे ने 37 गेंदों पर 33 रन की संयमित पारी खेली। रत्नायके ने सिर्फ 26 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। श्रीलंका ने शुरुआती झटकों के बाद अंतिम 15 ओवर में 114 रन जोड़े।

166 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत भी बेहद खराब रही। नुवान तुषारा ने पहले ही ओवर में विकेट मेडन डालते हुए सैफ हसन को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद रत्नायके ने तंजीद हसन तमीम को पवेलियन भेजा, जबकि तुषारा ने सटीक यार्कर पर लिटन दास को भी शून्य पर आउट कर दिया।

चौथे ओवर की समाप्ति तक बांग्लादेश का स्कोर 18 रन पर चार विकेट हो गया। तौहीद हृदोय ने छह गेंदों पर 11 रन बनाकर कुछ प्रतिरोध की कोशिश की, लेकिन वह भी रत्नायके का शिकार बन गए।

इसके बाद विजयकांत वियास्कांत और वानुजा सहान ने स्पिन के जरिए बांग्लादेश की मुश्किलें और बढ़ा दीं। वियास्कांत ने लगातार दो गेंदों पर परवेज हुसैन इमोन और मेहदी हसन को आउट किया। वहीं सहान ने रिशाद हुसैन और यासिर अली को पवेलियन भेजा।

यासिर अली ने 16 गेंदों पर 21 और रिशाद हुसैन ने पांच गेंदों पर 10 रन बनाकर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन बांग्लादेश की पारी संभल नहीं सकी। नासुम अहमद ने 28 गेंदों पर 26 रन की सर्वाधिक पारी खेली, लेकिन 18वें ओवर में उनके आउट होते ही बांग्लादेश की पारी 17.3 ओवर में 102 रन पर सिमट गई।

नवकार नवरात्रि उत्सव से रोशन होगा हैदराबाद

सीजन-9 में संगीत, गरबा, डांडिया और परंपरा का होगा भव्य संगम

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवकार हैदराबाद के सबसे भव्य नवरात्रि समारोह की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। नवकार नवरात्रि उत्सव 2026सीजन 9 का 10 दिवसीय शानदार आयोजन मानेपल्ली ज्वेलर्स और अन्विता की ओर से प्रस्तुत किया जा रहा है। बहुप्रतीक्षित यह सांस्कृतिक उत्सव 11 से 19 अक्टूबर 2026 तक जलविहार, नेकलेस रोड में आयोजित होगा, जहां संगीत, नृत्य और परंपरा का एक ही भव्य मंच पर संगम देखने को मिलेगा।

आगामी नवरात्रि समारोह से एक दिन पहले आयोजक मां-बेटी की जोड़ी कविता-सलोनी जैन ने शनिवार को जलविहार में उत्सव के पोस्टर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आई.आई.टी. से शिक्षित नर्तक डेनिश वैद, गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी, अच्युत राव-अन्विता बिल्डर, गोपी-मानेपल्ली ज्वेलर्स, कोहिरा डायमंड्स के हिरेन-राजवी, सुमन सराफ-राधा टीएमटी, बृज भुटाडा, अनूप चांडक-फाइनकैब तथा अन्य जाने-माने लोग उपस्थित रहे।

आई.आई.टी. से शिक्षित नर्तक डेनिश वैद ने युवाओं के लिए आकर्षक गरबा एवं डांडिया कार्यशाला आयोजित की। इसमें उत्साही प्रतिभागियों को नृत्य की तकनीक एवं विभिन्न चरण सिखाए गए। इसके बाद युवाओं ने पारंपरिक गरबा और डांडिया की ऊर्जावान प्रस्तुतियां दीं। इन प्रस्तुतियों में पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत का आधुनिक संगीत की धुनों के साथ शानदार मेल देखने को मिला।कविता-सलोनी जैन ने कहा, हम हैदराबाद के दिल में परंपरा, ग्लैमर और यादगार अनुभव के संगम के साथ नवरात्रि की भावना को जीवंत कर रहे हैं।ङ्ग उन्होंने आगे बताया कि समारोह के प्रमुख आकर्षणों में महाआरती, लाइव ढोल, शानदार खान-पान क्षेत्र, प्रसिद्ध हस्तियों की उपस्थिति, विशेष पुरस्कार तथा अन्य कई आकर्षण शामिल होंगे। इन विशेषताओं को लेकर शहर के गरबा और डांडिया प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नर्सिंग छात्राओं को पुस्तकें एवं स्टेशनरी वितरित

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने न्यू बोइनपल्ली स्थित कौशल विकास केंद्र का किया दौरा

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ङ्गसेवा ही हमारा संकल्प, सेवा ही हमारी प्रतिबद्धताफके मूल मंत्र के साथ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना द्वारा चलाए जा रहे ङ्गसेवा संकल्प अभियानफ के अंतर्गत न्यू बोवेनपल्ली स्थित सेवा भारती कौशल विकास केंद्र में प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह जी ने केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही नर्सिंग छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा और कौशल विकास ही युवाओं को सशक्त बनाकर एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण की नींव रखते हैं।

कार्यक्रम के दौरान श्री जगमोहन सिंह जी एवं उनकी टीम द्वारा नर्सिंग छात्राओं को पुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित की गई। यह वितरण छात्राओं को उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक सफर में प्रोत्साहित करने तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया।

इस सेवा कार्य में भाग लेकर मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री जगमोहन सिंह जी ने इस अवसर पर कहा कि सेवा भारती जैसे संगठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और कौशल पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में महत्व-पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता सदैव करुणा, समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ समाज की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे।

उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए टीम के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांधीजी के सत्य, अहिंसा और सेवा के मार्ग पर चलें : मल्लारपु कार्तिक गौड

वेंकटपुरम डिवीजन में भाजपा के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर अलवाल सर्कल के वेंकटपुरम डिवीजन (193) में भाजपा के तत्वावधान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता मल्लारपु कार्तिक गौड ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा गांधी के विचार और उनके सिद्धांत आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से आह्वान किया कि वे गांधीजी द्वारा बताए गए सत्य, अहिंसा और सेवा के मार्ग पर चलें तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करें।

कार्यक्रम में वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन किया गया और देशभक्ति का संदेश दिया गया। साथ ही नवगठित वेंकटपुरम डिवीजन में सभी पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनसेवा के लिए समर्पित रहने की अपील की गई।

कार्यक्रम में राज्य कार्यकारिणी सदस्य चिंतला मानिक रेड्डी, राचमल्ला निखिल, डिवीजन के नेता सुनील पारीक, दामोदर व्यास, शंकर व्यास, अंकित व्यास, अजीत साई, दीपक यादव, दिनेश समेत कई अन्य नेता एवं कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

एचपीएस ने पूर्व छात्र प्रेम वत्सा का किया सम्मान

एम.सी. वत्सा के नाम पर बनेगा जूनियर स्कूल ब्लॉक

हैदराबाद, 3 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस) ने अपने 1965 बैच के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र और फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड के चेयरमैन प्रेम वत्सा के स्कूल दौरे के दौरान उनका सम्मान किया। इस अवसर पर स्कूल के नए जूनियर स्कूल ब्लॉक की आधारशिला भी रखी गई, जिसका नाम प्रेम वत्सा के पिता और एचपीएस के पूर्व प्रधानाचार्य एम.सी. वत्सा के सम्मान में रखा जाएगा। एम.सी. वत्सा ने 1969 से 1972 तक स्कूल के प्रधानाचार्य के रूप में सेवाएं दी थीं।

हैदराबाद पब्लिक स्कूल सोसाइटी के अध्यक्ष गुस्ती जे. नोरिया ने कहा कि प्रेम वत्सा की उपलब्धियां एचपीएस की शिक्षा, संस्कार और मूल्यों की विरासत को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि नए भवन का नाम एम.सी. वत्सा के नाम पर रखना स्कूल की पिछली पीढ़ियों और आने वाली पीढ़ियों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

प्रेम वत्सा ने कहा कि हैदराबाद पब्लिक स्कूल लौटना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहा है। उन्होंने कहा कि एचपीएस में बिताए वर्षों ने उनके व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके पिता के नाम पर नए जूनियर स्कूल ब्लॉक का नाम रखा जाना उनके परिवार के लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण अवसर है।

इस अवसर ने एचपीएस की समृद्ध विरासत, वत्सा परिवार के साथ उसके पीढ़ियों पुराने संबंध और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति स्कूल की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

वन नेशन, वन इलेक्शन सत्ता में आजीवन बने रहने की कवायद : कांग्रेस

पुणे, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने ङ्गवन नेशन, वन इलेक्शनफयानी ङ्गएक राष्ट्र, एक चुनावफ प्रस्ताव को लेकर केंद्र की भाजपा-नीत सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता कमजोर करने के बाद अब सत्ता में लंबे समय तक बने रहने के उद्देश्य से ङ्गएक राष्ट्र, एक चुनावफ की कवायद की जा रही है।गोपालदादा तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में ङ्गएक राष्ट्र, एक चुनावफके संबंध में समिति गठित की थी। इसके बावजूद संसद और संसद के बाहर उठ रही आपत्तियों की अनदेखी करते हुए विधायी एवं संवैधानिक परंपराओं की अवहेलना की जा रही है।उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की ओर से इस विषय पर न्यायपालिका के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ चर्चा किए जाने की बात सामने आ रही है। उन्होंने 6 अक्टूबर को दिल्ली में दोपहर 3:40 बजे प्रस्तावित बैठक का उल्लेख करते हुए इसे गंभीर और आपत्तिजनक विषय बताया।तिवारी ने कहा कि संसद कानून बनाती है और सर्वोच्च न्यायालय यह जांचता है कि कोई कानून संविधान के अनुरूप है या नहीं। ऐसे में किसी विधेयक के विरोध के बीच न्यायपालिका के प्रमुख पद पर आसीन व्यक्ति के साथ चर्चा का हवाला देकर विधेयक को न्यायिक समर्थन या कवच मिलने का वातावरण तैयार करना उचित नहीं है।उन्होंने सवाल किया कि स्वतंत्रता के बाद क्या पहली बार किसी विधेयक को सर्वोच्च न्यायपालिका की कथित सिफारिश या संरक्षण दिलाने का प्रयास किया जा रहा है?

प्रथम पृष्ठ का शेष

फ्लाईदुबई हमला...

इनमें खाड़ी क्षेत्र के एक राजनयिक और एक पश्चिमी राजनयिक भी शामिल हैं। हालांकि, यूएई के अधिकारियों या फ्लाईदुबई की ओर से उसकी पहचान की औपचारिक सार्वजनिक पुष्टि की स्थिति अलग-अलग रिपोर्टों में स्पष्ट नहीं है। अल-हम्मामी की पहचान सामने आने के बाद उसके अतीत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कट्टरपंथी विचारों का होने के शक में ओमान में उसे पहले विमान उड़ाने से रोक दिया गया था। बाद में उसने फ्लाईदुबई जॉइन की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि फ्लाईदुबई में भर्ती से पहले उसकी कितनी गहराई से जांच हुई थी और एयरलाइन को उसके पिछले रिकॉर्ड के बारे में कितनी जानकारी थी।

एक क्षेत्रीय अधिकारी ने एपी को बताया कि ओमान एयर में उड़ान ड्यूटी से हटाए जाने के बाद अल-हम्मामी को एयरलाइन में प्रशासनिक जिम्मेदारी दी गई थी। अधिकारी के मुताबिक, अल-हम्मामी का जन्म यूएई में हुआ था और उसकी मां सीरियाई हैं। रिपोर्टों के अनुसार, उसके पिछले रोजगार और सुरक्षा जांच को लेकर भी जांच की जा रही है।

ओमान एयर और रॉयल एयर मारोक में भी कर चुका था काम

जानकारी के मुताबिक, फ्लाईदुबई से पहले अल-हम्मामी ने रॉयल एयर मारोक में भी काम किया था। अब उसकी ऑनलाइन गतिविधियों को भी जांच के दायरे में लिया गया है। एपी के अनुसार, उससे जुड़ा माना जा रहा एक सोशल मीडिया अकाउंट उड़ान वाले दिन तक सक्रिय था और बाद में उसे हटा दिया गया। हमाम अल-हम्मामी के नाम से मौजूद एक लिंक्डइन प्रोफाइल भी अब हटा दिया गया है।

इस प्रोफाइल के मुताबिक, उसने ओमान एयर में सात साल तक काम किया और जून 2025 में रॉयल एयर मारोक जॉइन किया। उसने जनवरी 2026 में मोरक्को की इस एयरलाइन को छोड़ दिया था। हालांकि, यह समय-सीमा फ्लाईदुबई में उसके कथित कार्यकाल से काफी हद तक मेल खाती है। उसके एक सहयोगी ने इजरायल के चैनल 16 को बताया कि उसने करीब आठ महीने पहले एयरलाइन जॉइन की थी। इस हिसाब से उसकी जॉइनिंग फरवरी 2026 के आसपास हुई होगी।

हालांकि, रॉयल एयर मारोक ने रॉयटर्स को बताया कि अल-हम्मामी ने 2025 में एयरलाइन के साथ तीन महीने का सैद्धांतिक प्रशिक्षण लिया था, लेकिन उसे नौकरी के लिए अंतिम रूप से चयनित नहीं किया गया था।

सोशल मीडिया पर अल-जवाहिरी की तस्वीर का दावा

अल-हम्मामी के एक सहयोगी ने उसे ङ्गबेहद कट्टरफबताते हुए दावा किया कि वह अक्सर नमाज पढ़ता था और महिलाओं से हाथ नहीं मिलाता था। टाइम्स ऑफ इजरायल ने भी इन जानकारियों को रिपोर्ट किया है। हालांकि, इन दावों और सोशल मीडिया सामग्री का घटना से सीधा संबंध जांच में अभी स्थापित होना बाकी है।

लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उसने ब्रिटेन की बकिंघमशायर न्यू यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय के एक सूत्र ने पुष्टि की कि अल-हम्मामी नाम के एक व्यक्ति ने 2023 में वहां विमानन प्रबंधन का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा किया था। हालांकि, विश्वविद्यालय से जुड़े स्रोतों के अनुसार, उसने वहां पायलट प्रशिक्षण नहीं लिया था।

सीएनएन के मुताबिक, उस लिंक्डइन प्रोफाइल पर केवल दो पोस्ट थे और दोनों घटना वाले दिन बुधवार को प्रकाशित हुए थे। हालांकि, ये पोस्ट पहले से निर्धारित किए गए हो सकते हैं।

पहली पोस्ट में कई वीडियो क्लिप थे। इनमें बोइंग 737 मैक्स का कॉकपिट और दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इजरायली एयरलाइन एल अल का एक विमान दिखाई देने का दावा किया गया। एक अन्य कॉकपिट वीडियो में उड़ान संख्या ओएमए624 और 11 अक्टूबर 2023 की तारीख दिखाई गई थी। यह वह समय था जब अल-हम्मामी कथित तौर पर ओमान एयर में काम कर रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो के आखिर में अल-कायदा के पूर्व प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की तस्वीर थी। प्रोफाइल से जुड़े एक अन्य वीडियो में 2009 के आत्मघाती हमले के लिए जिम्मेदार अल-कायदा सदस्य हुमाम खलील अबू-मुलाल अल-बलावी की तस्वीर होने की बात कही गई है।

दूसरी लिंक्डइन पोस्ट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई गई एक तस्वीर थी, जिसमें मक्का, मदीना और यरुशलम को दिखाया गया था। जांचकर्ता अब अल-हम्मामी की पृष्ठभूमि और उसके संभावित चरमपंथी संबंधों की पड़ताल कर रहे हैं।

मौत...

हादसे के बाद चिकित्सा अधिकारियों ने गंभीर रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार दिया। गंभीर मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की गई। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार घायलों की स्थिति पर नजर रख रही हैं।

हादसे की जानकारी मिलते ही तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने घायलों से मुलाकात की और अस्पताल में उपचार व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मंत्री डी. श्रीधर बाबू के अनुसार दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

वहीं हादसे में घायल लोगों को 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। सरकार ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जताया दुख

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अनंतगिरी घाट में हुए भीषण हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर और एसपी ने संभाला मोर्चा

हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल तथा अस्पताल पहुंचे। विकाराबाद एसपी स्नेहा मेहरा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बाद में अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने चिकित्सकों को गंभीर घायलों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

बस चालक और ट्रैवल्स प्रबंधन की भूमिका भी जांच के घेरे में

हादसे के कारणों की पुलिस जांच जारी है। प्रारंभिक तौर पर तेज गति और घाट के तीखे मोड़ पर चालक के नियंत्रण खोने की बात सामने आई है। इसके अलावा बस की तकनीकी स्थिति, ब्रेक सिस्टम, चालक की लापरवाही, सड़क की स्थिति और वाहन की गति समेत अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

मंत्री श्रीधर बाबू के हवाले से प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रैवल्स प्रबंधन और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है तथा दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

घाट मार्ग की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

अनंतगिरी घाट क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ अपने ढलान और तीखे मोड़ों के कारण संवेदनशील सड़क मार्ग भी माना जाता है। ऐसे में भारी यात्री वाहनों की गति, चालक की सावधानी, वाहन की फिटनेस और सड़क सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस हादसे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि घाट मार्ग पर भारी वाहनों की गति को नियंत्रित करने, चेतावनी संकेत बढ़ाने और दुर्घटना संभावित मोड़ों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए क्या पर्याप्त कदम उठाए गए हैं।

अंतिम संस्कार का सफर बना मातम

जिस बस में सवार होकर 51 लोग एक परिवार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे, वही सफर कई परिवारों के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गया। एक ओर चिंतकुंटा में अंतिम संस्कार की तैयारी थी, वहीं दूसरी ओर अनंतगिरी घाट पर हुए हादसे की खबर ने कई परिवारों को शोक में डुबो दिया।

एक हादसे ने न केवल चार परिवारों से उनके अपनों को छीन लिया, बल्कि दर्जनों परिवारों को अस्पतालों के चक्कर लगाने पर मजबूर कर दिया। अब सबकी नजर पुलिस जांच और घायलों की स्थिति पर है।

समयसीमा...

त्रिवेदी ने बांग्लादेश में उस समय बने हालात को दुखद परिस्थितियां बताया और कहा कि ऐसी स्थिति दुनिया में कहीं भी दोबारा नहीं होनी चाहिए।

हसीना की सरकार गिरने के बाद 8 अगस्त 2024 को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने कार्यभार संभाला। अगले 18 महीनों तक यही सरकार बांग्लादेश में रही। इस दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंधों में काफी गिरावट आई।

हसीना पर विशेष न्यायाधिकरण में उनकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चला और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। अंतरिम सरकार ने उनकी अवामी लीग पार्टी को भी भंग कर दिया और राजनयिक नोट के जरिए भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की।

नई सरकार ने भी दोहराई प्रत्यर्पण की मांग

12 फरवरी को हुए चुनाव के बाद तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार सत्ता में आई। चुनाव में अवामी लीग को हिस्सा लेने की अनुमति नहीं थी। नई सरकार ने हसीना की पार्टी पर लगे प्रतिबंध को बरकरार रखा और उनके प्रत्यर्पण की मांग दोहराई।

अलविदा...

राजनीतिक तौर पर चर्चा का विषय बन गया है।

फिलहाल गेंद अकबरुद्दीन ओवैसी के पाले में है। उन्होंने चुनावी राजनीति से संन्यास या चुनाव नहीं लड़ने का अंतिम ऐलान नहीं किया है। इसलिए उनके बयान को फिलहाल आगामी चुनाव को लेकर उनकी अनिश्चितता और वर्तमान रुख के तौर पर ही देखा जा रहा है।

भारत-पाक में ...

अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए। पाकिस्तान ने मृतकों को ङ्गघुसपैठिएफ बताए जाने को भी खारिज किया है।

पाकिस्तान ने मामले की तत्काल, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच की मांग की है। साथ ही जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा जांच के नतीजे पाकिस्तान सरकार को औपचारिक रूप से बताने की मांग की है।

पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, मारे गए लोगों की पहचान आजमत रसूल और मोहसिन जट्ट के रूप में हुई है। दोनों लाधर के जट्टां वाली हवेली इलाके के रहने वाले बताए गए हैं। एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है।

भारत ने ड्रग्स तस्करी और घुसपैठ का मुद्दा उठाया

पाकिस्तान के आरोपों के जवाब में भारत ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान से सीमा पार होने वाली घुसपैठ तथा हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी व्यापक समस्या का हिस्सा है।भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से सीमा पार से संचालित नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों की गतिविधियों की जांच करने को कहा है। साथ ही, नशीले पदार्थों की तस्करी में पाकिस्तान के सीमा सुरक्षा बलों की कथित मिलीभगत की भी जांच करने की मांग की है।

फरहाना भट्ट...

करते हुए कहा कि अधिक भीड़ वाले आयोजनों में सुरक्षा और लोगों के आने-जाने के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

टीम ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि भविष्य में जब भी ज्यादा भीड़ वाले सार्वजनिक कार्यक्रम होंगे, तो भीड़ को नियंत्रित करने, सुरक्षा तथा प्रवेश और निकास के लिए उचित इंतजाम किए जाएंगे, ताकि कलाकार, आगंतुक और खासकर महिलाएं ऐसे कार्यक्रमों का सुरक्षित और आराम से आनंद ले सकें।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की प्रथम कार्यकारिणी बैठक आयोजित

सदस्यता अभियान को गति देने और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी की प्रथम बैठक होटल अमृतसर हवेली में आयोजित की गई। मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बैठक की जानकारी दी। बैठक के प्रारंभ में अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल ने अपने स्वागत संबोधन में सभी कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने सभी सदस्यों से आगे बढ़कर सदस्यता अभियान में सहयोग देने का आग्रह किया तथा सभी के सहयोग से मिलजुलकर तेलंगाना इकाई को नई दिशा देने का आश्वासन दिया।

नई कार्यकारिणी का मनोनयन

बैठक में कार्यकारिणी समिति के लिए अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल, विपिन अग्रवाल एवं राजकुमार रिटोलिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री रमाकांत गोयल एवं जगत्नारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल एवं मुन्नालाल अग्रवाल, महिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला संघी, मंत्री श्रीमती कविता संघी, युवा अध्यक्ष राहुल सिंघल, मंत्री अमित कुमार अग्रवाल, समन्वयक विनय जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सुरेश कुमार अग्रवाल, डी.पी. अग्रवाल, महेंद्र कुमार गुप्ता एवं दिनेश कुमार मोदी को मनोनीत किया गया।

निवर्तमान अध्यक्ष योगेश जैन, राष्ट्रीय सलाहकार गोपाल मोर, नरेंद्र कुमार गोयल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, संगठन मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, सह प्रवक्ता तथा महिला मंत्री रिंकू गर्ग अपने दायित्वों पर रहेंगे।बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए अपने-अपने विचार रखे। प्रति माह महिलाओं एवं युवाओं का एक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया, जिससे सभी अग्रबंधुओं के परिवारों में आपसी मेलजोल बढ़ेगा। महिला अध्यक्ष निर्मला संघी तथा युवा अध्यक्ष राहुल सिंघल को अपनी-अपनी टीम गठित कर इसकी जानकारी देने का आग्रह किया गया।

सदस्यता अभियान के लिए तीन उपाध्यक्ष मनोनीत

सदस्यता अभियान को गति देने के लिए उपाध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल, विपिन अग्रवाल तथा राजकुमार रिटोलिया को मनोनीत किया गया।

धनसंग्रह के लिए दीपावली के पश्चात् तंबोला एवं कवि सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती 11 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे अग्रसेन चौक, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में आयोजित की जा रही है। सम्मेलन के सभी कार्यकारिणी सदस्यों से इसमें सम्मिलित होने का आग्रह किया गया।

इसके पश्चात् प्रातः 11:30 बजे जुमेरात बाजार स्थित खेमदास मठ में महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद करीब 300 लोगों में अन्नप्रसाद का वितरण किया जाएगा।रात्रि 8 बजे अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में क्लासिक कन्वेंशन-3, शमशाबाद में सम्मिलित होने हेतु भी सभी से आग्रह किया गया।

बैठक में अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ. अजय अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, राजकुमार रिटोलिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल, महिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला संघी, युवा अध्यक्ष राहुल सिंघल, कार्यकारिणी सदस्य डी.पी. अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, समन्वयक विनय जैन, परामर्शदाता सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय सलाहकार गोपाल मोर, राष्ट्रीय महिला मंत्री श्रीमती रिंकू जैन आदि उपस्थित थे।

मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल के धन्यवाद प्रस्ताव तथा भोजन के पश्चात् बैठक का समापन हुआ।

महिला एवं यूथ टैलेंट स्पॉटलाइट कार्यक्रम आयोजित

600 सदस्यों की मौजूदगी, 350 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की महिला एवं यूथ टैलेंट कमेटी की ओर से चेयरपर्सन रिंकू गर्ग जी के नेतृत्व में सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में ङ्गस्पॉटलाइटफ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना एवं गणेश वंदना के साथ हुआ।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उषा सिंघल जी रहीं। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए दिए गए इस मंच को सराहनीय पहल बताया।

इस अवसर पर केंद्रीय समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल जी, उपाध्यक्ष हरि गोविंद जी, सचिव सीमा जैन जी, संयुक्त सचिव प्रतीक नसरिया जी, कोषाध्यक्ष राजगोपाल जी, सलाहकार सुरेश सिंघल जी, डॉ. स्वाति जी एवं प्रीति जी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में लगभग 600 सदस्यों की उपस्थिति रही, जबकि 350 बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने चित्रकला, नृत्य, संगीत एवं वाद्य यंत्रों सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम श्रेणी के विजेताओं में वेदिका अग्रवाल, झलक अग्रवाल एवं गरिमा अग्रवाल रहीं। वहीं द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के विजेताओं में निशिता अग्रवाल, आस्था अग्रवाल, तृषा अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, वेदिता अग्रवाल एवं चंचल अग्रवाल रहीं।

सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी में तीन-तीन विजेताओं का चयन किया गया। सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र, पदक, ट्रॉफी एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी बच्चों को भी प्रमाण-पत्र, पदक एवं उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में बीना टंडन जी, योगिता जी, अनुष्का जी, शरद गुप्ता जी, माणिकलाल जी, विश्वनाथ जी एवं दीपक अग्रवाल जी शामिल रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में चेयरपर्सन रिंकू गर्ग जी, वाइस चेयरपर्सन कविता गोयल जी, तृषा अग्रवाल जी, सुशील केडिया जी, पूजा अग्रवाल जी, कनक अग्रवाल जी, किरण अग्रवाल जी, मिनी अग्रवाल जी, नीलम अग्रवाल जी, सुनैना नसरिया जी, रेखा अग्रवाल जी, राधा अग्रवाल जी, शीतल रुंगटा जी, शिल्पा धानुका जी, शालू अग्रवाल जी, कविता अग्रवाल जी एवं पायल अग्रवाल जी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सभी सदस्यों, अभिभावकों, प्रतिभागियों, निर्णायकों एवं सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों से ङ्गस्पॉटलाइटफ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतरीन मंच प्राप्त हुआ।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के राष्ट्रीय चरण का सफल शुभारंभ

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी द्वारा आयोजित अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट-2026 के राष्ट्रीय चरण का शुभारंभ 2 अक्टूबर को ऑनलाइन माध्यम से हुआ। राष्ट्रीय स्तर की चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता के प्रथम चरण में देशभर के विभिन्न राज्यों से चयनित 27 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के मंगल पाठ से हुआ। इसके पश्चात अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के संयोजक राजेश जी चावत ने अणुव्रत गीत का संगान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप जी दुगड़ ने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ उपयोग करने की प्रेरणा दी।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के पर्यवेक्षक एवं उपाध्यक्ष डॉ. कुसुम जी लूनिया ने विद्यार्थियों का आत्मबल बढ़ाते हुए अच्छे संस्कारों के साथ जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया।

इस अवसर पर लाडनूं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणा जी सिसोदिया ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। जीवन विज्ञान प्रवक्ता राकेश जी खटेड तथा अनुविभा के प्रचार-प्रसार मंत्री पंकज जी दूधोडिया ने भी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट-2026 के राष्ट्रीय संयोजक राजेश जी चावत ने प्रतियोगिता में सहभागिता एवं उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में देश-विदेश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्कूल स्तर पर देशभर में लगभग 34,739 विद्यार्थियों ने चित्रकला तथा लगभग 17,613 विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता की। विभिन्न चरणों से चयनित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं की सकारात्मक भावना के साथ प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखना चाहिए। उन्होंने बच्चों से अपनी पीठ थपथपाकर स्वयं की उपलब्धियों को स्वीकार करने और निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता के नियमों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी सोनल जी कोठारी ने दी। उन्होंने प्रतियोगिता की कार्यप्रणाली की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। लगभग 80 प्रतिभागी, शिक्षक, अभिभावक एवं सहयोगी सदस्य ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। विद्यार्थियों ने अनुशासन, उत्साह एवं रचनात्मकता के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता की। कार्यक्रम में कोर टीम सदस्य मीनाक्षी जी सुराणा, लाभेश जी कासवा, किरण जी परमार, जोनल समन्वयक एवं राज्य समन्वयक ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया।कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय सह-संयोजिका साधना जी कोठारी ने किया, जबकि तकनीकी संचालन में ऋषभ जी बरडिया का सहयोग रहा।अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट का द्वितीय चरण 11 अक्टूबर 2026 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन बच्चों की प्रतिभा एवं रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के साथ-साथ संस्कार, सकारात्मक सोच और व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

ध्रुव चरित्र की भक्ति और संकल्प की कथा ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस आकुति चरित्र, सती चरित्र और शिव विवाह का भी हुआ वर्णन

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पितृपक्ष के पावन अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में अत्तापुर, एन.एम. गुड़ा स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव एवं श्रद्धा के साथ कथा का श्रवण किया। कथा के दौरान बाल विदुषी सुश्री प्रिया किशोरी जी ने आकुति चरित्र, सती चरित्र, शिव विवाह तथा ध्रुव चरित्र का भावपूर्ण एवं विस्तृत वर्णन किया।

ध्रुव की अटूट भक्ति और दृढ़ संकल्प का किया वर्णन

कथा वाचक सुश्री प्रिया किशोरी जी ने ध्रुव चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि बालक ध्रुव की कथा मनुष्य को दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और ईश्वर के प्रति अटूट भक्ति की प्रेरणा देती है। उन्होंने बताया कि राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव को अपनी सौतेली माता के व्यवहार के कारण बाल अवस्था में ही गहरा आघात पहुंचा। पिता की गोद में बैठने की इच्छा पूरी न होने पर ध्रुव ने अपनी माता सुनीति से अपनी पीड़ा व्यक्त की।

माता ने ध्रुव को समझाया कि संसार में मिलने वाला मान-सम्मान स्थायी नहीं है और यदि सच्चा सम्मान एवं सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना है तो भगवान की शरण में जाना चाहिए। माता की बात ध्रुव के मन में गहराई से उतर गई। मात्र पांच वर्ष की आयु में ध्रुव ने भगवान नारायण को प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया और वन की ओर प्रस्थान किया।

उन्होंने बताया कि मार्ग में देवर्षि नारद ने ध्रुव की परीक्षा ली और उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन ध्रुव अपने संकल्प से विचलित नहीं हुए। इसके बाद नारद जी ने उन्हें भगवान विष्णु की उपासना एवं मंत्र साधना का मार्ग बताया। ध्रुव ने कठोर तपस्या करते हुए अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण प्राप्त किया और पूरी निष्ठा से भगवान का ध्यान किया।

ध्रुव की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए। भगवान के दर्शन पाकर ध्रुव भावविभोर हो गए। उन्होंने भगवान से सांसारिक सुखों की अपेक्षा नहीं की, बल्कि प्रभु की भक्ति और चरणों में स्थान की कामना की। भगवान विष्णु ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए ध्रुव लोक प्रदान किया, जिसे अटल एवं स्थायी स्थान का प्रतीक माना जाता है।

बाल अवस्था में ध्रुव ने दिया दृढ़ विश्वास का संदेश

सुश्री प्रिया किशोरी जी ने कहा कि ध्रुव चरित्र यह संदेश देता है कि आयु छोटी हो सकती है, लेकिन संकल्प और भक्ति दृढ़ हो तो मनुष्य असंभव को भी संभव कर सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति को अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होना चाहिए तथा भगवान के प्रति विश्वास बनाए रखना चाहिए।

कथा के दौरान आकुति चरित्र एवं सती चरित्र का भी वर्णन किया गया। इसके साथ ही भगवान शिव और माता सती के विवाह का प्रसंग सुनाते हुए शिव विवाह की आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कथा के प्रसंगों के दौरान श्रद्धालु भक्तिभाव में डूबे नजर आए।

श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में पहुंचने का आग्रह

इस अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, संजय राठी, नटवर दरक, विनीता दरक, श्याम सुंदर जांगिड़, जेठालाल, निखिल सोमाणी, केदारनाथ लाठी, जमुना देवी लाठी, रमेश मोदाणी, उर्मिला मोदाणी, मनिष सोमाणी, कौशल्या बाई तथा सुरेंद्र रेड्डी (स्टार राजू) सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित श्रीमद्भागवत कथा में उपस्थित होकर कथा का श्रवण करने का आग्रह किया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक अट्टापुर, एन.एम. गुड़ा स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण में किया जा रहा है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर कथा का लाभ लेने का अनुरोध किया गया है।

बापूघाट में आयोजित गांधी जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का स्वागत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह।

अग्रवाल समाज के मेगा कैंप में ईस्ट ज़ोन की शाखाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की विवाह डेटा समिति एवं सदस्यता अभियान समिति ने ईस्ट ज़ोन की शाखाओं के सदस्यों की सुविधा के लिए 2 अक्टूबर को दिलसुखनगर स्थित भाग्यश्री फंक्शन हॉल में मेगा कैंप आयोजित किया। इसमें विवाह संबंधी डेटा, प्रिविलेज कार्ड और एमएलसी पंजीकरण की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

कैंप में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने विवाह हेतु बायोडाटा जमा किए और देखे, प्रिविलेज कार्ड बनवाए तथा एमएलसी पंजीकरण की प्रक्रिया और संबंधित जानकारी का लाभ उठाया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय समिति कोषाध्यक्ष राज गोपाल अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल,मुकुंदलाल अग्रवाल, सहित सुरेश टंडन,पंकज संघी, अशोक जिंदल, रानी मित्तल, बाबिता अग्रवाल, उमा शंकर, नीरज केडिया, डॉ. सरिता अग्रवाल, मुकेश केडिया, सतीश गोयल, अजय तुलस्यान, राजेश अग्रवाल, गोपाल मोदी और राज कुमार सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक परिवारों को एक मंच से जोड़ना और विवाह संबंधी जानकारी, सदस्यता तथा अन्य सामाजिक सुविधाओं को सरल एवं सुलभ बनाना है।

हिंदी महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह आयोजित

छात्रों से शिक्षा के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान

मुख्य अतिथि जयेश रंजन ने कहा तकनीकी प्रयोग, कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा पर देना होगा जोर

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री जयेश रंजन, आई.ए.एस., विशिष्ट मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार, महानगर एवं शहरी विकास विभाग उपस्थित रहे। सम्माननीय अतिथियों में प्रोफेसर बी. सुधाकर रेड्डी, परीक्षा नियंत्रक तथा श्री अजीत रंगनेकर, पूर्व डीन, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद शामिल रहे।

कार्यक्रम में प्रबंध समिति के अध्यक्ष सी.एल. लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन, संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त, समिति सदस्य श्री गोविंद राठी, श्री सोहनलाल कडेल, प्राचार्य डॉ. बालाकुमार, उपप्राचार्य डॉ. पी. वसंता, डॉ. श्रीदेवी, परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राक, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी, शारीरिक शिक्षा विभाग के पूर्व प्राध्यापक श्री मनोहर रेड्डी, अध्यापकगण तथा कर्मचारीवर्ग उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष सीए काबरा जी अनुपस्थित होने के बावजूद अपना बधाई संदेश प्रेषित किया।

सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन एवं श्लोक के साथ हुआ। तत्पश्चात वंदे मातरम् गीत की सुंदर प्रस्तुति की गई। इस विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि श्री जयेश रंजन का स्वागत श्यामसुंदर मूंदड़ा एवं अध्यक्ष सी.एल. लक्ष्मीनिवास शर्मा ने किया। सम्माननीय अतिथि प्रो. बी. सुधाकर रेड्डी का स्वागत मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन एवं संयुक्त सचिव श्री प्रदीप कुमार दत्त ने तथा श्री अजीत रंगनेकर का स्वागत संयुक्त सचिव श्री प्रदीप दत्त एवं प्राचार्य डॉ. बालाकुमार ने क्रमशः शॉल, बुके एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर किया।

मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया। सरस्वती वंदना करते हुए उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में सभी की उपस्थिति महत्वपूर्ण है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप दीक्षांत समारोह में केवल उपाधि ग्रहण नहीं कर रहे हैं, बल्कि समाज के विकास में अपना योगदान देने की जिम्मेदारी भी ग्रहण कर रहे हैं।

प्राचार्य डॉ. बालाकुमार ने हिंदी महाविद्यालय का परिचय दिया तथा दीक्षांत समारोह में उपस्थित प्रबंध पदाधिकारियों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्रों को बधाई दी।

शिक्षा के साथ तकनीकी प्रयोग पर जोर

मुख्य अतिथि का परिचय डॉ. सुंदरशन ने दिया। मुख्य अतिथि श्री जयेश रंजन ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों की शैक्षणिक उपलब्धि अच्छी है। आपमें से कुछ लोग व्यापार तथा कुछ शिक्षा के क्षेत्र में आगे कार्य करेंगे। इस संस्था ने अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखा है। उन्होंने बताया कि संस्था में एआई/एमएल कंप्यूटर प्रयो–गशाला का उद्घाटन अभी किया गया है और यहां सभी शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने विकसित तेलंगाना की बात की है। आर्थिक विकास के संबंध में सरकार ने कृषि, महिलाओं एवं युवाओं के विकास को महत्वपूर्ण माना है। बच्चों के विकास के लिए तकनीकी प्रयोग पर बल देना चाहिए। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा, पर्यटन एवं आतिथ्य शिक्षा पर भी जोर देने की बात कही। सरकार कौशल विद्यालयों की स्थापना कर रही है। छात्रों को अपनी योग्यता के अनुसार इनमें प्रवेश लेना चाहिए।

11 स्वर्ण एवं 10 रजत पदकों का वितरण

डॉ. रजनी धारी, हिंदी विभागाध्यक्ष ने सभी को प्रतिज्ञाबद्ध कराया। इसके बाद 11 स्वर्ण पदकों तथा 10 रजत पदकों का वितरण किया गया। परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राक ने छात्रों के नामों की घोषणा की।

तत्पश्चात सुश्री मानसा, अध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभाग ने वरिष्ठ प्रो. बी. सुधाकर रेड्डी का परिचय दिया।

सम्माननीय अतिथि बी. सुधाकर रेड्डी ने कहा कि हिंदी महाविद्यालय विद्यानगर का आइकॉन है। यह संस्था हैदराबाद के केंद्र में स्थित है। इसमें व्यावसायिक और नवाचार आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि आपका स्वयं के प्रति विश्वास है, तभी आप व्यवस्थित निर्णय ले सकते हैं। यदि आप नौकरी के लिए जाते हैं तो आपके पास तीन प्रकार के अवसर हैंकेंद्र सरकार, राज्य सरकार अथवा अपना स्टार्टअप। सफल होने के लिए आपको स्वयं को अभिप्रेरित करना होगा। आप लोगों को ज्ञान के स्रोत तलाशने होंगे।

पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक आजीवन विद्यार्थी बने रहें।

माता–पिता के प्रति आभार व्यक्त करें : अजीत रंगनेकर

श्री अजीत रंगनेकर जी का परिचय डॉ. रजनी धारी ने दिया। सम्माननीय अतिथि अजीत रंगनेकर ने कहा कि प्रत्येक छात्र को उपाधि ग्रहण करने के बाद सबसे पहले अपने माता–पिता के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए तथा अध्यापक को अपने हृदय में स्थान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एआई ने पूरे विश्व को बदल दिया है। कुछ लोगों का विचार है कि एआई विश्व को नष्ट कर देगा, लेकिन यह आपकी मस्तिष्क की स्थिति पर निर्भर करता है कि आप चीजों को किस प्रकार ग्रहण करते हैं। आपके पास कार्य करने की सामर्थ्य है, इसलिए आपको नित्य कुछ न कुछ नया सीखना चाहिए। आपके बड़े सपने और बड़े लक्ष्य होने चाहिए।

उन्होंने छात्रों से अपनी जड़ों को सदैव याद रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी छात्र अपने व्यक्तित्व को संतुलित कर उचित निर्णय लें। इससे आपकी और आपके राष्ट्र की शक्ति बढ़ेगी।

भाषा मनुष्य को मनुष्य बनाती है : डॉ. रजनी धारी

डॉ. रजनी धारी ने कहा कि भाषा मनुष्य को मनुष्य बनाती है। ङ्गस्वदेशे पूज्यते राजा, विद्वान सर्वत्र पूज्यतेफ को चरितार्थ करते हुए उन्होंने बी.ए. के छात्रों का विवरण प्रस्तुत किया तथा उन्हें उपाधि प्राप्त करने में सहयोग दिया।

बीबीए के छात्रों के नामों की घोषणा श्री संतोषी ने, बी.कॉम. सीए के छात्रों के नामों की घो–षणा डॉ. पी. वसंता ने, बीएससी के छात्रों के नामों की घोषणा श्री काणी ने, बी.कॉम. के छात्रों के नामों की घोषणा डॉ. रवि कुमार ने तथा स्नातकोत्तर छात्रों के नामों की घोषणा श्रीमती लावण्या ने प्रस्तुत की तथा उपाधि वितरण में सहयोग दिया।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक श्री सत्यनारायण राक तथा डॉ. श्रीदेवी ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम के संपन्न होने की घोषणा अध्यक्ष सी.एल. लक्ष्मीनिवास शर्मा ने की।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने नव–नियुक्त संगठन महामंत्री एवं सह–संगठन महामंत्री का किया स्वागत

हैदराबाद, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नई जिम्मेदारी संभालने के पश्चात तेलंगाना भाजपा के नव–नियुक्त राज्य संगठन महामंत्री श्री मधुकर जी एवं सह–संगठन महामंत्री श्री दशरथ जी के राज्य भाजपा कार्यालय में प्रथम आगमन पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना की ओर से गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह जी के नेतृत्व में मोर्चा के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का हार्दिक स्वागत किया।

इस अवसर पर कहा गया कि दोनों नेताओं का यह आगमन संगठनात्मक समन्वय, समर्पण और तेलंगाना में भाजपा को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के नए अध्याय का प्रतीक है।

अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से नव–नियुक्त राज्य संगठन महामंत्री श्री मधुकर जी एवं सह–संगठन महामंत्री श्री दशरथ जी को उनके नवीन दायित्वों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

दुबई में होगा बिग 5 ग्लोबल का 47वां संस्करण 23 नवंबर से

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और दक्षिण एशिया में निर्माण एवं शहरी विकास क्षेत्र का प्रमुख आयोजन बिग 5 ग्लोबल 23 से 26 नवंबर तक दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित होगा। आयोजन को यूएई के ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा मंत्रालय, अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्रालय, दुबई सिविल डिफेंस और दुबई नगर पालिका का समर्थन प्राप्त है।

47वें संस्करण में आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, तकनीकी उन्नयन, टिकाऊ विकास और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। लीडरशिप समिट में नीति, निवेश, प्रौद्योगिकी, परियोजना क्रियान्वयन और रहन–सहन से जुड़ी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चर्चा होगी।

आयोजन में 60 से अधिक देशों के प्रदर्शक और 20 से अधिक कंट्री पवेलियन शामिल होंगे। ऑस्ट्रिया, इटली, जर्मनी, ओमान, यूनान, चीन, मोरक्को, ब्रिटेन, तुर्किये, स्पेन, रूस, मिस्र, पुर्तगाल और दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न देशों की भागीदारी रहेगी। इटली की ओर से 100 से अधिक कंपनियां हिस्सा लेंगी।

आयोजन में निर्माण सामग्री, एमईपी, एचवीए–सीआर, निर्माण उपकरण, डिजिटल निर्माण, जियोस्पैटियल तकनीक और सुविधा प्रबंधन सहित निर्माण क्षेत्र के विभिन्न समाधान प्रदर्शित किए जाएंगे।

गांधी जयंती पर सेवा निकेतन ने किया अन्नदान, 1000 से अधिक लोगों को कराया भोजन

हैदराबाद, 02 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी जी की जयंती के पावन अवसर पर सेवा निकेतन, सिकंदराबाद द्वारा अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद एवं उपस्थित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई तथा 1000 से अधिक लोगों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महात्मा गांधी जी के सेवा, मानवता, समानता और जरूरतमंदों की सहायता के संदेश को आगे बढ़ाना था। सेवा निकेतन के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ कार्यक्रम में सहयोग किया।

इस सेवा कार्य में दिलीप मखाना, अभय कोठारी, विजय, दीपेश एवं राकेश सहित सेवा निकेतन के अन्य सदस्यों और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अन्नदान कार्यक्रम में निम्न दानदाताओं एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा–

भानु बेन, हिना कामदार, वीरसिंहजी, विनीत रविंद्र मुथा (यूके), प्रवीणा मोहन कर्णम, नवरतन मखाना ˆ सब्जियों का सहयोग, विनय कुमार नाहटा ˆ केले का सहयोग, पार्थ सारथी, कोव्वली श्याम सुंदर, छगनलाल मुथा, देवेंद्र मुथा।

सेवा निकेतन ने सभी दानदाताओं, सदस्यों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह अन्नदान कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सेवा निकेतन का उद्देश्य जरूरतमंदों की सेवा करना और समाज में मानवता एवं सेवा की भावना को निरंतर बढ़ावा देना है।

अष्टविनायक यात्रा में विकारों का करें विसर्जन : प्रिया प्रखर गोलेछा

भक्तिमय मस्ती के साथ चार दिवसीय स्वयंभू सिद्ध अष्टविनायक यात्रा का आगाज

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन तिरुपति की वैश्विक स्तर की युवा टीम की अभिनव पहल

पुणे, 03 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र के पुणे में विश्वविख्यात आठ पवित्र स्वयंभू सिद्ध अर्थात स्वयं प्रकट श्री अष्टविनायकों के वंदनीय दर्शन के लिए चार दिवसीय अष्टविनायक यात्रा का शुभारंभ विश्व धर्म चेतना मंत्र श्रीब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति की युवा शाखा की टीम द्वारा किया गया। ङ्गद 8 डिवाइन ट्रेल्सफ विषय पर आधारित यह अष्टविनायक यात्रा ईश्वरीय सत्ता से विभूषित परमात्मस्वरूप विश्वविख्यात संत परम पूज्य गुरुदेवश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के कृपामय पावन आशीर्वाद से की जा रही है।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन तिरुपति के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष प्रखर गोलेछा के प्रेरणादायी नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवक–युवतियों की भक्तिमय 80 सदस्यीय आध्यात्मिक टीम भाग ले रही है।

युवा वर्ग में विभिन्न विकारों के विसर्जन का माध्यम बनेगी यात्रा

फाउंडेशन के आध्यात्मिक प्रकल्प ङ्गसिद्धेश्वर वंदनाफ की राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिया सांखला ने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में युवा वर्ग में व्याप्त विभिन्न प्रकार के विकारों के विसर्जन के लिए यह अष्टविनायक यात्रा सार्थक साबित होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का अभिनव आध्यात्मिक महत्व है, जिसमें असीम प्राकृतिक एवं ईश्वरीय ऊर्जा समाहित है।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल बाहरी दर्शन मात्र नहीं है, बल्कि मनुष्य के भीतर मौजूद काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार जैसे विकारों को समाप्त कर विवेक और सच्ची भक्ति की ओर बढ़ने का मार्ग है। मन और आत्मा को शुद्ध करने वाली अष्टविनायक यात्रा के दौरान पहले दिन रांझणगांव स्थित श्री महागणपति, थेउर में श्री चिंतामणि गणेश, सिद्धटेक में श्री सिद्धिविनायक तथा मोरगांव के श्री मयूरेश्वर गणेश के दर्शन, वंदन एवं आरती का लाभ लिया गया।

जयकारों से गूंजा यात्रा मार्ग, युवाओं ने संजोईं अविस्मरणीय यादें

ओम सिद्धेश्वर, जय गुरुदेव, गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया और हर हर महादेव के जयकारों की गूंज के साथ युवा टीम ने हर्षोल्लासपूर्वक यात्रा की और इस दौरान अविस्मरणीय यादें भी संजोईं।

पहले दिन सभी सदस्यों का परस्पर परिचय एवं मिलन कार्यक्रम, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, बप्पा की चित्रकला तथा गणपति पूजन, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ सामूहिक संवाद हुआ। इस दौरान आयोजन की विभिन्न बेहतरीन व्यवस्थाओं में निशांत जैन, गौरव मोदी, संयम जैन, सौरभ जैन, मयंक सोलंकी, राहुल जैन, श्रीकांत विभूतिया, वानिया अग्रवाल, प्राची एवं इशिता सामूहिक रूप से भागीदारी निभा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.